संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 75
पृष्ठ 8
मंगलवार
02 दिसम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- इन ४ तारीखों में जन्मे लोग, जब....
विचार- सी.ओ.पी.30' और 'जी-20' समिट...
खेल- क्या विराट कोहली टेस्ट में करेंगे...

साइबर अपराध और अवैध ड्रग्स कारोबार पर त्वरित कार्रवाई हो : सीएम योगी

● कैजुअल अप्रोच न रखें अधिकारी

लखनऊ, संवाददाता। सीएम योगी ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) 2023 और 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को सफल, प्रभावी और सिटीजन सेंट्रिक पुलिस अधिकारी बनने के लिए श्संवाद, संवेदनशीलता और सकारात्मकताश का मंत्र दिया है। सोमवार को 23 प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ औपचारिक भेंट के दौरान उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसा विशाल राज्य पुलिस के लिए अनेक चुनौतियां लेकर आता है, इसलिए प्रशिक्षु अवधि को सीखने, समझने और अपने पुलिसिंग मॉडल को मजबूत बनाने का सुनहरा अवसर मानें। मुख्यमंत्री ने कहा, जनपदों में प्रशिक्षण के दौरान यह सीखना सबसे आवश्यक है कि वास्तविक समस्याओं का प्रभावी और संतुष्टिपरक समाधान कैसे किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस हमेशा फर्स्ट रिस्पांडर होती है। आपकी तत्परता, भाषा और प्राथमिकता पर ही पीड़ित का विश्वास टिका होता है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को यह सलाह दी कि प्रशिक्षण अवधि में थाने का चार्ज, उसके प्रशासन, विवेचना, ड्यूटी मैनेजमेंट और स्थानीय विवादों की प्रकृति को बहुत बारीकी से समझें। मुख्यमंत्री ने कहा कि थाना पुलिसिंग की नींव है। ह्यूमन इंटेलिजेंस आज भी किसी भी पुलिस अधिकारी का सबसे बड़ा हथियार है। स्थानीय लोगों से संवाद, फील्ड में उपस्थिति और विश्वास ही आपको मजबूत बनाते हैं।

अवैध ड्रग्स के नेटवर्क के खिलाफ सतर्कता बढ़ाने पर जोर दिया

मुख्यमंत्री ने श्थाना, सर्किल तथा पुलिस लाइनश तीनों की कार्यप्रणाली, संसाधनों और चुनौतियों को समझने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इन तीनों स्तरों का सामंजस्य ही किसी जिले की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करता है। जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संवाद गरिमापूर्ण और संयत होना चाहिए। कैजुअल अप्रोच पुलिस अधिकारी के लिए उचित नहीं है। जनप्रतिनिधि जनता की आवाज होते हैं, उनके साथ तालमेल कानून–व्यवस्था को और प्रभावी बनाता है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से महिलाओं के प्रति अपराध, साइबर क्राइम और अवैध ड्रग्स के नेटवर्क के खिलाफ सतर्कता बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, अपराध की प्रकृति तेजी से बदल रही है, इसलिए आपकी प्रतिक्रिया और तैयारी भी उतनी ही आधुनिक और त्वरित होनी चाहिए। डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर टूल्स और तकनीक का कुशल उपयोग सीखें। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि पुलिस सेवा में सत्यनिष्ठा, अनुशासन और मानवीय दृष्टि ही सबसे बड़ी पूंजी है। आपका आचरण आने वाले वर्षों में न केवल कानून–व्यवस्था को दिशा देगा, बल्कि प्रदेश की सुरक्षा और जनता के विश्वास को भी मजबूत करेगा।

भारत फुटवियर क्षेत्र में बन रहा दुनिया की बड़ी ताकत : राष्ट्रपति

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि भारत फुटवियर क्षेत्र में दुनिया की बड़ी ताकत बन रहा है। श्रीमती मुर्मू ने यह बात यहां फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) के दीक्षांत समारोह में कही। उन्होंने कहा कि भारत फुटवियर क्षेत्र में तेज़ी से आत्मनिर्भर बन रहा है और विश्व अर्थव्यवस्था में अपनी भूमिका मज़बूत कर रहा है। श्रीमति मुर्मू ने कहा कि सरकार ने फुटवियर सेक्टर को 'चौंपियन सेक्टर' का दर्जा दिया है ताकि इस क्षेत्र में निवेश और विकास बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि भारत फुटवियर विनिर्माण और खपत में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में भारत का फुटवियर निर्यात 2.5 अरब डॉलर से अधिक रहा, जबकि आयात लगभग 68 करोड़ डॉलर था। यानी भारत का निर्यात आयात से करीब चार गुना है। उन्होंने कहा कि निर्यात बढ़ाने के लिए फुटवियर व्यवसाय में और विस्तार की ज़रूरत है, जिससे युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के अवसर बढ़ेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू ने एफडीडीआई और यूनिवर्सिटी ऑफ़ नॉर्थम्प्टन (यूके) के बीच हुए नए समझौते का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारतदृब्रिटेन मुक्त व्यापार के तहत सहयोग को आगे बढ़ाएगा। श्रीमति मुर्मू ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि फुटवियर डिज़ाइन सिर्फ एक पेशा नहीं, बल्कि समाज की बेहतरी से जुड़ा काम है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे ऐसे डिज़ाइन तैयार करें जो लोगों की सेहत, आराम और जरूरतों को ध्यान में रखें। साथ ही रोजगार सृजन, आर्थिक विकास, भारत के निर्यात को मजबूत करने और वैश्विक बाजार में देश की छवि को ऊंचा उठाने में योगदान दें। उन्होंने कहा कि युवा डिजाइनर श्आत्मनिर्भर भारतश के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

मुसलमानों को भड़काने की साज़िश': शाहनवाज़ हुसैन का महमूद मदनी पर गंभीर आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा नेता शाहनवाज़ हुसैन ने सोमवार को जमीयत उलेमा–ए–हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी की भोपाल में की गई हालिया टिप्पणी की कड़ी आलोचना की। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि भारतीय मुसलमानों को बेजोड़ अधिकार और स्वतंत्रता प्राप्त है। साथ ही, उन्होंने समुदाय को भड़काने की कोशिशों के ख़िलाफ़ चेतावनी भी दी। ष्जुल्म के ख़िलाफ़ जिहादष संबंधी मदनी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, हुसैन ने बयान की निंदा की और इसे भ्रामक और ख़तरनाक बताया। हुसैन ने कहा कि मैं जमीयत उलेमा–ए–हिंद के नेता मौलाना महमूद मदनी द्वारा भोपाल में इस्तेमाल की गई भाषा की निंदा करता हूँ। उन्होंने कहा, श्जब भी जुल्म होगा, जिहाद होगा। यह कहकर कि जब भी जुल्म होगा, जिहाद होगा,

वह क्या समझा रहे हैं? भारत में जुल्म कहाँ हो रहा है? मदनी पर मुसलमानों में अविश्वास और अशांति पैदा करने का आरोप लगाते हुए, हुसैन ने कहा कि मुसलमानों को भड़काने की साज़िश मत करो। वे मुसलमानों को भड़का रहे हैं और उन्हें टकराव के रास्ते पर ले जाना चाहते हैं। वह मुसलमानों में अविश्वास पैदा कर रहे हैं। भाजपा नेता ने ज़ोर देकर कहा कि भारत में मुसलमानों को दुनिया भर में बेजोड़ सुरक्षा प्राप्त है। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को भारत से बेहतर देश, हिंदू से बेहतर दोस्त, भारत से बेहतर संविधान या मोदी से बेहतर नेता नहीं मिल सकता। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय मुसलमान खुद मदनी के जिहाद के आह्वान को खारिज करते हैं। हुसैन ने मदनी की टिप्पणी की भी आलोचना की और सुप्रीम कोर्ट को "सर्वोच्च" न बताते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने उनसे भारतीय मुसलमानों के ठेकेदार न बनने और यह न कहने का आग्रह किया कि सुप्रीम कोर्ट सर्वोच्च नहीं है। यह बयान भी बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूँ।

संसद को चुनावी हार-जीत की निराशा, अहंकार का अखाड़ा न बनने दें : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया है कि उन्हें चुनावी हार–जीत के परिणामों से बाहर निकलकर इसकी निराशा या अहंकार का अखाड़ा संसद को नहीं बनाना चाहिए और जनता की आकांक्षाओं तथा लोकतंत्र की मर्यादाओं के अनुरूप संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेना चाहिए। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि संसद का महत्वपूर्ण शीतकालीन सत्र शांतिपूर्ण ढंग से चलेगा और सभी सदस्य देश की प्रगति के लिए तथा चुने हुये प्रतिनिधियों को अपनी अभिव्यक्ति का अवसर देने के लिए सदन को चलाने में अपना सहयोग करेंगे। श्री मोदी ने सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले संसद भवन परिसर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र तेज गति से आगे बढ़ रहा है और इसे और आगे बढ़ने की ऊर्जा देने का काम शीतकालीन सत्र करेगा, उन्हें ऐसा उन्हें विश्वास है। चुनावी हार जीत लोकतंत्र का हिस्सा है लेकिन संसदीय लोकतंत्र की मजबूती का दायित्व हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि निजी एजेंडे के लिए संसद की कार्यवाही बाधित नहीं होनी चाहिए। नये सांसदों को अपनी बात रखने का अवसर मिलना चाहिए और सदन के कार्यवाही बाधित कर उनके अवसर को छीना नहीं जाना चाहिए। इस नए सांसदों को अभिव्यक्ति का अवसर दीजिए अपनी निराशा और अपनी पराजय में सांसदों को बली मत बनने दिजिये। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र के प्रति विश्वास मजबूत होता रहता है और ऐसा समय–समय पर कुछ न कुछ देखने को मिलता है। उन्होंने बिहार विधानसभा में हुए भारी मतदान का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार विधानसभा के चुनाव में मतदान जिस रिकॉर्ड के साथ हुआ वह लोकतंत्र में नया विश्वास पैदा करता है। बड़ी बात यह है कि चुनाव में माता बहने ज्यादा हिस्सा ले रही हैं। श्री मोदी ने कहा कि इस सत्र में यह पता चलना है कि संसद और संसद सदस्य देश के लिए क्या सोचते हैं। वे देश के लिए क्या करने वाले हैं और क्या कर रहे हैं। विपक्ष भी अपना दायित्व निभाए और मजबूत मुद्दे उठाकर लोकतंत्र को मजबूत बनाए। उसे पराजय की निराशा से बाहर आकर लोकतंत्र की मजबूती के लिए काम करना है लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि एकाध दल तो निराशा से बाहर ही नहीं आ पा रहे हैं, उनके बयानों से यही लगता है।

लाल किला विस्फोट मामला: एनआईए कश्मीर में कर रही है छापेमारी

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) दिल्ली लाल किला विस्फोट मामले में दक्षिण कश्मीर में तलाशी अभियान चला रही है। एक सूत्र ने बताया कि शोपियाँ और कश्मीर के अन्य इलाकों में विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान जारी है, जिनमें डॉ. आदिल, डॉ. मुजफ्फर, डॉ. जसीफ और मौलवी इरफान के परिसर भी शामिल हैं। सूत्र ने बताया कि तलाशी अभियान सोमवार सुबह शुरू हुआ और पंद्रह से ज़्यादा एनआईए टीमों को इसमें लगाया गया। लाल किला विस्फोट के सिलसिले में अब तक एनआईए ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। शुरुआत में दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज किया गया यह मामला बाद में गृह मंत्रालय द्वारा एनआईए को सौंप दिया गया था। एजेंसी ने पुष्टि की है कि आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर नबी ने हमले में एक वाहन–जनित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (वीबीआईईडी) का इस्तेमाल किया था। वह विस्फोटकों से भरी एक आई20 कार चला रहा था, जिसमें लाल किले के बाहर विस्फोट हुआ, जिसमें पंद्रह लोग मारे गए और तीस से ज़्यादा घायल हो गए।

"वोट चोर, गद्दी छोड़" के नारों से गूंजा लोकसभा, कार्यवाही स्थगित; सीतारमण ने पेश किए विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी।संसद के निचले सदन, लोकसभा की कार्यवाही सोमवार को दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई और अब मंगलवार (2 दिसंबर) को सुबह 11 बजे बैठक होगी। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन बार–बार नारेबाजी हुई और सत्ता पक्ष ने आरोप लगाया कि विपक्षी सांसद सदन को चलने नहीं दे रहे हैं। सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक सदन की कार्यवाही कुल तीन बार स्थगित हुई और लगभग 50 मिनट का ही विधायी कार्य हुआ। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर

(द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2025 को विचार एवं पारित करने के लिए सदन में पेश किया। केंद्रीय वित्त मंत्री ने बार–बार हो रही नारेबाजी के बीच सदन में कहा कि केंद्र सरकार ने 2017 के केंद्रीय वस्तु एवं सेवा अधिनियम, विशेष रूप से वित्त अधिनियम 2025 की धारा 121 से 134 में संशोधन किया है। इसे संसद द्वारा पारित किया गया और 2024 में अधिनियमित किया गया। आधे से अधिक राज्यों द्वारा अपने जीएसटी को अद्यतन करने के बाद ये परिवर्तन अक्टूबर 2025 से प्रभावी भी हो गए। लेकिन दुर्भाग्य से मणिपुर में जीएसटी समय पर लागू नहीं हो सका क्योंकि राज्य विधानसभा निलंबित थी। इस बीच, अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठे सांसद कृष्ण प्रशांत टेनेटी ने विपक्षी सांसदों से शिष्टाचार बनाए रखने और अपनी सीटों पर वापस जाने का आग्रह किया, जहाँ उनकी बात ठीक से सुनी जा सके।

जल जीवन घोटाला: दिल्ली उच्च न्यायालय में पूर्व सीएस की मानहानि याचिका पर नोटिस, 3 फरवरी को सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्य सचिव अरुण कुमार मेहता, आईएएस (सेवानिवृत्त) द्वारा कथित "जल जीवन मिशन (जेजेएम) घोटाले" के आरोपों को लेकर दायर मानहानि के मुकदमे में सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए। यह नोटिस सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अशोक कुमार परमार, जिनके आरोपोंपर यह विवाद आधारित है, और मुकदमे में नामित अन्य पक्षों को भी जारी किया गया। पुरुषेंद्र कुमार कुरव ने उनसे जवाब मांगा है और मामले की सुनवाई 3 फरवरी के लिए निर्धारित की है, जब डॉ. मेहता के अंतरिम निषेधाज्ञा के अनुरोध पर बहस होगी। मेहता ने अधिवक्ता वासुदेव शरण स्वैन और नर हरि सिंह (एओआर) के माध्यम से यह मुकदमा दायर किया है, जिसमें अंतरिम और स्थायी निषेधाज्ञा के साथ 2.55 करोड़ रुपये के हर्जाने का दावा किया गया है। मुकदमे में दावा किया गया है कि जेजेएम घोटाले के आरोप मनगढ़ंत, दुर्भावनापूर्ण और किसी भी सबूत से समर्थित नहीं हैं। दलीलों के अनुसार, एक बड़ेपैमाने पर साजिश का आभास देने की लगातार कोशिश की गई, जबकि ऐसी कोई साजिश थी ही नहीं, जिसके परिणामस्वरूप उनकी प्रतिष्ठा और जम्मू–कश्मीर में मिशन के काम की अखंडता को नुकसान पहुँचा। यह मुकदमा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के निष्कर्षोंपर काफी हद तक आधारित है, जिसने आरोपों की विस्तृत जाँच की थी। एसीबी ने निष्कर्ष निकाला कि कोई वित्तीय हेराफेरी नहीं हुई, निविदाएँ उचित ई–टेंडरिंग प्रक्रियाओं के माध्यम से सबसे कम योग्य बोली लगाने वालों को दी गईं, कोई पक्षपात नहीं हुआ और सरकारी खजाने को कोई नुकसान नहीं हुआ। जाँच को औपचारिक रूप से अपुष्ट कहकर बंद कर दिया गया। याचिकाओं में आगे बताया गया है कि हालाँकि सार्वजनिक रूप से यह दावा किया गया था कि सीबीआई और राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के समक्ष शिकायतें दर्ज की गई थीं, लेकिन दोनों संस्थानों से प्राप्त आरटीआई उत्तरों ने पुष्टि की कि ऐसी कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई थी। मुकदमे के अनुसार, आरोप उन पत्रों पर आधारित थे जो पहले से ही तैयार और प्रसारित थे, लेकिन वास्तव में कभी दायर नहीं किए गए। इसमें कैट (जम्मू पीठ) के समक्ष दायर एक पूर्व याचिका का भी उल्लेख है, जिसे न्यायाधिकरण ने एक लाख रुपये के जुर्माने के साथ खारिज कर दिया था, इसे शरारती और तुच्छ बताते हुए और वरिष्ठ अधिकारियों को परेशान करने के इरादे से किया गया था।

नवगठित बिहार विधानसभा का पहला सत्र शुरू, विधायकों ने ली शपथ

पटना, एजेंसी। नवगठित बिहार विधान सभा का प्रथम सत्र सोमवार से प्रारंभ हुआ,जिसके दौरान प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव ने विधायकों को शपथ दिलाई। विधानसभा की बैठक शुरू होने के बाद प्रोटेम स्पीकर श्री यादव ने कहा कि जनता ने बिहार विधानसभा चुनाव में अपने प्रतिनिधियों को विधायक चुन कर उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी है। उन्होंने कहा कि यह नवनिर्वाचित विधायकों की जिम्मेदारी है कि वे देश के लोकतांत्रिक ढांचे में संविधान के प्रावधानों के अनुसार सदन में जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाएं। श्री यादव ने कहा कि वाईफाई सुविधाओं के साथ विधायकों की सीटों पर 'टैब' की व्यवस्था की गयी हैं, जिसका लाभ उठा कर आधुनिक तकनीक और डिजिटल सुविधा का उपयोग करते हुए सभी सदस्य सदन की कार्यवाही में भाग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि विधायकों के पास हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत और मैथिली सहित चार भाषाओं में शपथ लेने का विकल्प उपलब्ध है। आज शपथ लेने वाले पहले सदस्यों में बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा शामिल थे। शपथ लेने वाले अन्य मंत्रियों में विजय कुमार चौधरी, बिजेंद्र प्रसाद यादव, श्रवण कुमार, मंगल पांडे, लेसी सिंह, नितिन नवीन, राम कृपाल यादव, सुनील कुमार, मोहम्मद जमा खान, संजय सिंह टाइगर, सुरेंद्र मेहता, नारायण प्रसाद, रमा निषाद, लखेंद्र कुमार रोशन, श्रेयसी सिंह, संजय कुमार और संजय कुमार सिंह शामिल हैं। पर्यटन मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने मैथिली भाषा में शपथ ली।

कोलकाता के 'रेल उत्सव' में श्री प्रशांत कुमार मिश्रा की भारतीय रेलवे पर लिखी दो पुस्तकों का विमोचन

रायबरेली। श्री प्रशांत कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक, आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली, ने ईस्ट इंडियन रेलवे (म्प्) की विरासत पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी और अपनी दो प्रतीक्षित पुस्तकें "द हाईवे ऑफ हिंदोस्तानरू द ईस्ट इंडियन रेलवे (1841–1871)" और "ट्रैक्स ऑफ नेसेसिटीरू रेलवे, फेमाइन एंड एम्पायर इन डेक्कन" लॉन्च कीं। यह कार्यक्रम रेल उत्सव के तहत कलकत्ता यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट, कोलकाता में रेल उत्साही समाज (रेल इंथुजियास्ट सोसाइटी) द्वारा आयोजित किया गया था।

द हाईवे ऑफ हिंदोस्तानरू द ईस्ट इंडियन रेलवे (1841–1871)" ईस्ट इंडियन रेलवे के प्रारंभिक वर्षों का सबसे व्यापक और प्रामाणिक इतिहास प्रस्तुत करती है। यह पुस्तक पूरी तरह प्राथमिक स्रोतों पर आधारित है और दिखाती है कि कैसे इस रेलवे की स्थापना साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा से राष्ट्रीय परिवर्तन तक पहुँची। इसमें इंजीनियरिंग चमत्कार, औपनिवेशिक राजनीति, भूले–बिसरे मजदूरों और दूरदर्शी सुधारकों के जीवन को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह केवल ट्रेनों की कहानी नहीं है, बल्कि साम्राज्य, प्रतिरोध और उस लोहे की रेल की कहानी है जिसने पूरे उपमहाद्वीप को जोड़ा।

"ट्रैक्स ऑफ नेसेसिटीरू रेलवे, फेमाइन एंड एम्पायर इन डेक्कन" दक्षिणी मराठा रेलवे (डत) और वेस्ट ऑफ इंडिया पुर्तगाली गारंटीड रेलवे (प्ळळत) का विस्तृत इतिहास बताती है। कठिनाइयों के बीच जन्मी दक्षिणी मराठा रेलवे केवल लोहे की पटरी नहीं थी, बल्कि गरीब समुदायों के लिए जीवनरेखा साबित हुई। इसे एक विशाल "फूड फॉर वर्क" परियोजना के रूप में विकसित किया गया और यह औपनिवेशिक भारत की सबसे गतिशील रेलवे प्रणालियों में से एक बन गई। साथ ही, प्ळळत ने ब्रिटिश भारत को पुर्तगालियो के अधीन स्थित गोवा से जोड़ा, धारवाड़ के कपास खेतों से मर्मुगाओ के गहरे बंदरगाह तक को जोड़ा। पुस्तक में भूले–बिसरे अभिलेखों के माध्यम से उस युग की महत्वाकांक्षा, राजनीतिक समझौते, मेहनती इंजीनियरो और धनी निवेशकों की कहानियाँ जीवंत रूप में प्रस्तुत की गई हैं। यह बताती है कि कैसे लोहे की पटरी ने अकाल–ग्रस्त क्षेत्रों, अलग–अलग उपनिवेशों और महत्वाकांक्षी सपनों को जोड़कर भारतीय उपमहाद्वीप की पहली रेलवे प्रणाली बनाई।

भारतीय रेलवे सेवा के वरिष्ठ अधिकारी और रेलवे इतिहास लेखक पी. के. मिश्रा ने कहा कि भारतीय रेलवे के विकास में पूर्व रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भारत में सबसे शुरुआती दौर में इस इलाके में रेल लाइनें बिछी, ट्रेनें चलीं। पूर्वी रेलवे तमाम तरह की चुनौतियों का सामना करते हुए अस्तित्व में आया और संबर्धित व विकसित हुआ। श्री मिश्रा कोलकाता में आयोजित रेल उत्सव में आयोजित एक व्याख्यानमाला में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। पी.के. मिश्रा आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली के महाप्रबंधक हैं। वे कपूरथला रेल कोच फैक्ट्री के महाप्रबंधक के अतिरिक्त प्रभार में भी हैं। संगोष्ठी में उन्होंने पूर्व रेलवे के निर्माण, इतिहास और विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भी रेलवे ने महत्वपूर्ण रोल अदा किया है।श्री मिश्र ने रेलवे के इतिहास से संबंधित कई अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डाला। कई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक जानकारियों से रेल अधिकारियों को अवगत कराया।

बता दें कि पीके मिश्र आसनसोल, मालदा और अलीपुरद्वार मंडल के डीआरएम रह चुके हैं। उन्होंने रेलवे के इतिहास पर महत्वपूर्ण शोध किया है। अपने विभिन्न स्थानों पर पदस्थापना के दौरान रेलवे के प्राचीन इमारतों और महत्वपूर्ण प्रतीकों को सजाने– संवारने के महत्वपूर्ण काम भी इन्होंने किया है।

रेलवे उत्साही, इतिहासकार और उपस्थित छात्र पुस्तकों की गहन शोध और आकर्षक शैली की सराहना करते हुए नजर आए।

इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें शामिल थेरू श्री संजय मुखर्जी (सेवानिवृत्त सदस्य, वित्त रेलवे बोर्ड), श्री वी. एन. माथुर (अध्यक्ष, रेल इंथुजियास्ट सोसाइटी), श्री एस. एस. डे (सचिव, पब्लिशर्स गिल्ड) एवं श्री जस्टिस एस. पाल (अध्यक्ष,ब्न्), श्री विशाल कपूर (डीआरएम हावड़ा), श्री अतुल्य सिन्हा (रेल साहित्य विशेषज्ञ), सुश्री आशीमा मेह्रोत्रा (एक्जीक्यूटिव डायरेक्टरध्हेरिटेज रेलवे बोर्ड), श्री सौरसंखा माजी (रेल शोधकर्ता और रेल इंथुजियास्ट सोसाइटी सदस्य), श्री सचिन सुशील (फिल्म निर्देशक), श्री देबाशीष मुखोपाध्याय, श्री आशाद सिद्दीकी (प्रसिद्ध रेलवे क्विज मास्टर), श्री यतीश कुमार (मुख्य कार्यशाला प्रबन्धक लिलुआह वर्कशॉप), श्री सत्येंद्र नाथ तिवारी (वरिष्ठ डिविजनल मैकेनिकल इंजीनियर हावड़ा), श्री आर. एन. तिवारी (सचिवध्महाप्रबंधक और मुख्य जनसंपर्क अधिकारी एमसीएफ), श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव (जन संपर्क अधिकारी एमसीएफ), श्री अभिजित बरूआ (कॉमर्शियल इंस्पेक्टर ईस्टर्न रेलवे), और श्री अमितेश कुसवाहा (प्रोटोकॉल इंस्पेक्टर)।

रेल उत्सव' में इन पुस्तकों का विमोचन भारतीय रेलवे की समृद्ध विरासत और इसके देश के इतिहास पर परिवर्तनकारी प्रभाव की निरंतर रुचि को उजागर करता है।

भूमि आवंटन में देरी के लिए तीर्थ पुरोहित नाराज

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में संगम की रेती पर जनवरी में शुरू होने वाले माघ मेले की तैयारियां तेज हो रही है। कल 2 दिसंबर को माघ मेले के सकुशल संपन्न होने के लिए गंगा पूजन भी कमिश्नर सौम्या अग्रवाल द्वारा किया जाना है। कल से ही भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू होगी।

2 से 4 दिसंबर तक दंडी स्वामी नगर (दंडी बाड़ा), 5 व 6 दिसंबर को आचार्य स्वामी नगर (आचार्यबाड़ा) व 7 से 9 दिसंबर तक खाक चौक के संतों को माघ मेले के लिए भूमि आवंटित की जाएगी। वहीं, इसे लेकर प्रयागवाल सभा ने नाराजगी जाहिर की है। एक प्रतिनिधिमंडल आज सोमवार को मेला प्राधिकारण कार्यालय पहुंचकर मेलाधिकारी ऋषि राज को ज्ञापन सौंपा। कहा, कि तीर्थ पुरोहितों के लिए भूमि आवंटन की तारीख तय नहीं है। ऐसे में कल्पवासी सबसे पहले मेले में पहुंचते हैं और उनकी व्यवस्था तीर्थ पुरोहितों को ही करनी है। ऐसे में उन्हें शिविर के लिए भूमि कब आवंटित की जाएगी यह पता ही नहीं है। प्रयागवाल सभा के अध्यक्ष प्रदीप पांडेय व महामंत्री असीम भारद्वाज की अगुवाई में ज्ञापन सौंपा गया। तीर्थ पुरोहितों के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू की जाए। साथ ही सुविधा आवंटन भी किया जाए। प्रयागवाल तख्त पर यात्री की सुविधा से दृष्टि से 24 घंटे बिजली आपूर्ति की व्यवस्था की जाएगा। तीर्थ पुरोहितों की भूमि सुविधा में और वृद्धि की जाए। प्रयागवाल सदस्यों को पहचान पत्र जारी किया जाए ताकि मेले में आवागमन में असुविधा न होने पाए। मां गंगा पूजन और मेला अवधि में मुख्य यजमानों की पूजन मात्र तीर्थ पुरोहितों से कराई जाए। कल्पवासियों के लए शौचालय, नल व बिजली कनेक्शन आदि निशुल्क प्रदान की जाए।

कोडीन वाले सिरप की डेढ़ लाख बोतलों की अवैध बिक्री

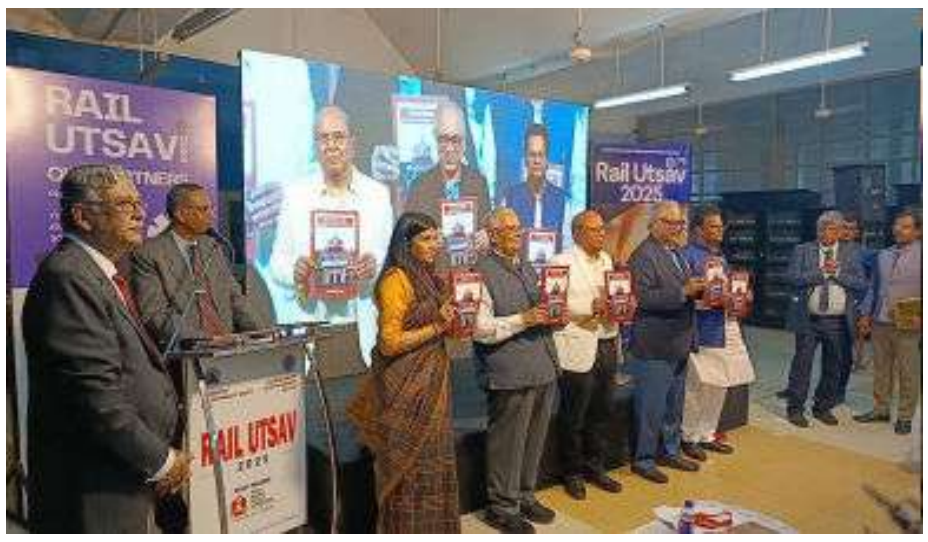

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में कोडीनयुक्त कफ सिरप की अवैध खरीद बिक्री का एक और मामला सामने आया है। ड्रग इंस्पेक्टर संतोष कुमार पटेल की ओर से इस मामले में फर्म मेसर्स आशुतोष फार्मा के प्रोप्राइटर आशुतोष पटेल के खिलाफ पूरामुफ्ती थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। औषधि निरीक्षक की जांच रिपोर्ट और विभागीय अभिलेखों के आधार पर कार्रवाई की गई है। औषधि नियंत्रण विभाग लखनऊ से मिले निर्देशों के बाद प्रयागराज के औषधि निरीक्षक ने फर्म के रिकॉर्ड और स्थल का सत्यापन किया। जांच में यह तथ्य सामने आया कि फर्म के पते पर व्यापारिक गतिविधि संचालित होती हुई नहीं मिली, जबकि अभिलेखों में जनवरी से मार्च 2025 तक कुल डेढ़ लाख बोतल कोडीनयुक्त Eskuf Cough Syrup की खरीदी दर्ज है। विभागीय पोर्टल पर फर्म के नाम से दवा लाइसेंस वैध पाया गया, लेकिन मौके पर भंडारण या बिक्री का कोई प्रमाण नहीं मिला। जांच के दौरान मौके पर मौजूद व्यक्ति ने लिखित रूप से

बताया कि लाइसेंस जारी होने के बाद फर्म में किसी प्रकार की दवा का भंडारण या बिक्री नहीं की गई। इसके बावजूद फर्म के नाम पर भारी मात्रा में कोडीनयुक्त सिरप की बिलिंग रिकॉर्ड में दर्ज है। विभाग के सहायक आयुक्त द्वारा जारी नोटिस का कोई जवाब भी फर्म की ओर से नहीं दिया गया। विभाग का आरोप है कि फर्म ने लाइसेंस का दुरुपयोग करते हुए कोडीनयुक्त सिरप को गैर चिकित्सकीय उपयोग के लिए बाजार में खपाया, जिससे भारी मात्रा में सिरप की खरीदी संदिग्ध मानी जा रही है। कोडीनयुक्त सिरप का दुरुपयोग नशे के रूप में किया जाता है, इसलिए विभाग ने मामले को गंभीर मानते हुए कार्रवाई की मांग की। औषधि निरीक्षक की रिपोर्ट, नोटिस और ऑनलाइन अभिलेखों के आधार पर आशुतोष पटेल के खिलाफ भारतीय न्याय दंड संहिता 2023 और औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 के प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अब आगे की जांच कर रही है। एक दिन पहले ही इस तरह के एक मामले में ड्रग इंस्पेक्टर की ओर से एयरपोर्ट थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था। तब बमरौली स्थित एमके हेल्थ केयर फर्म के प्रोपराइटर मोहम्मद सैफ पर एफआईआर दर्ज कराई गई थी। आरोप है कि फर्म के नाम पर जनवरी से लेकर जून तक कोडीनयुक्त सिरप की करीब 10 लाख बोतल खरीदी और बेची गईं लेकिन विभाग के मांगने पर प्रोपराइटर कोई रिकॉर्ड नहीं दिखा पाए।

संगम में साइबेरियन पक्षियों का कल्पवास

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के त्रिवेणी संगम पर इस साल भी साइबेरियन पक्षियों का बड़ा दल पहुंच गया है। जो पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। ये पक्षी सर्दियों में साइबेरिया के बेहद ठंडे माहौल से पलायन करते हुए नवंबर से मार्च तक संगम के टापुओं पर रहते हैं। ठंड में 5000 किमी का सफर तय करने के बाद ये पक्षी गंगा, यमुना

और अदृश्य सरस्वती के संगम पर आकर ठहरते हैं। जहां उन्हें भोजन और अनुकूल मौसम मिलता है। इनकी उपस्थिति संगम की प्राकृतिक सुंदरता को और निखारती है और पर्यटकों की संख्या में इजाफा होता है। लोग नाव से आकर पक्षियों को दाना खिलाते हैं और उनकी चहचहाहट का आनंद लेते हैं। संगम पर मुख्य रूप से साइबेरियन सीगल, बार–हेडेड और दुर्लभ पेरेग्रीन फाल्कन जैसी प्रजातियां देखी जाती हैं। इनके आकर्षक रंग और उड़ान के दृश्य पर्यटकों और भक्तों को खूब पसंद आता है। एक स्थानीय नाविकों के अनुसार पक्षियों के आने से नाविकों को भी अच्छी आमदनी होती है क्योंकि पर्यटक इनके मनोरंजन के लिए नाव की सवारी करते हैं। यह पक्षी लगभग पांच से छह महीने तक संगम क्षेत्र में रहते हैं, जिससे यह स्थल सर्दियों में जीवंत और जीवमय हो जाता है। साइबेरियन पक्षियों के आगमन से संगम का नजारा इतना मनोहर हो जाता है कि लोग यहां से ये दृश्य अपने कैमरे में कैद करते हैं। पर्यावरण प्रेमी और प्रकृति के शौकीन इस अद्भुत नजारे को देखने प्रयागराज आते हैं।

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास मंत्री श्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने बैंकिंग लीडरशिप समिट एंड अवार्ड्स 2025 में उत्तर प्रदेश की औद्योगिक विकास की रूपरेखा प्रस्तुत की

'अदाणी ग्रुप, रेडिको ग्रुप, अमूल, मानसिंह गोयल ग्रुप, नवभारत डिफेंस सिस्टम सहित अनेक प्रमुख संस्थानों को मिला उद्योग एवं कॉरपोरेट उत्कृष्टता पुरस्कार'

'बैंकिंग श्रेणी में कैनरा बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक आदि को विभिन्न श्रेणियों में मिला सर्वोच्च सम्मान

लखनऊ। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास मंत्री श्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने कहा कि उत्तर प्रदेश एक उच्च–विश्वास

और उच्च–दक्षता वाला औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र बना रहा है जो वैश्विक मानकों पर पूरी तरह खरा उतरेगा। उन्होंने निर्यात–उन्मुख उद्योगों के तीव्र विकास, एनआरआई निवेश को सुगम बनाने, विश्वस्तरीय मैन्युफैक्चरिंग जोन एवं लॉजिस्टिक्स हब के निर्माण तथा मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स और हाई–टेक क्षेत्रों के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की। उन्होंने राज्य की औद्योगिक विकास यात्रा और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास मंत्री ने यह विचार होटल ताज, गोमती नगर में इंडियन इन्वेस्टर्स फेडरेशन द्वारा आयोजित 10वें भव्य बैंकिंग लीडरशिप समिट एंड अवार्ड्स 2025 के अंतर्गत आज एक उच्चस्तरीय आर्थिक एवं औद्योगिक नीति कॉन्क्लेव में व्यक्त किए। इस कार्यक्रम में देश के प्रमुख बैंकर, नीति–निर्माता, उद्योगपति, वित्तीय विशेषज्ञ, वरिष्ठ नौकरशाह, शिक्षाविद् और उद्यमी एक मंच पर एकत्र हुए। कॉन्क्लेव का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को अगले दौर की आर्थिक छलांग दिलाना तथा निवेश प्रवाह, एमएसएमई सशक्तीकरण, क्रेडिट सुधार और नई औद्योगिक रणनीतियों पर गहन विचार–विमर्श करना था।

उद्घाटन सत्र को टीजीआई एसएमई कैपिटल, मुंबई के सीईओ एवं मैनेजिंग पार्टनर श्री अजय ठाकुर ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने एमएसएमई क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हासिल की है। राज्य का जीडीपी ग्रोथ रेट 8.2 प्रतिशत तक पहुँच गया है, बारह कंपनियों का एसएमई लिस्टिंग हुआ है, पूँजी प्रवाह बढ़ा है और उद्यमियों में वित्तीय जागरूकता अभूतपूर्व रूप से बढ़ी है। इससे उत्तर प्रदेश देश के सबसे आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित हो रहा है।

इसके बाद कैनरा बैंक के श्री अजित कुमार मिश्रा ने बताया कि उनका बैंक उत्तर प्रदेश को वर्ष 2030 तक एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में पूर्ण सहयोगी है। एक्सप्रेस–वे, इथेनॉल उत्पादन, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट, खाद्य प्रसंस्करण तथा नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वित्त पोषण किया जा रहा है।

रेडिको खेतान के श्री साकेत ने प्रति व्यक्ति आय में जीडीपी से भी तेज वृद्धि को राज्य की बढ़ती क्रय शक्ति का प्रमाण बताया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के श्री अजय खन्ना तथा बैंक ऑफ इंडिया के श्री अमरेंद्र कुमार ने मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, मुद्रा योजना तथा अन्य एमएसएमई योजनाओं में सहज और त्वरित वित्त पोषण की जानकारी दी।

मुख्य वक्तव्य इंडियन बैंक के कार्यकारी निदेशक श्री ब्रजेश कुमार सिंह ने दिया। उन्होंने डिजिटल लेंडिंग, औद्योगिक क्रेडिट के आधुनिकीकरण तथा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की औद्योगीकरण में निर्णायक भूमिका पर जोर दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत पंजीकरण और नेटवर्किंग से हुई, इसके बाद राष्ट्रगान तथा उत्तर प्रदेश की बदलती आर्थिक तस्वीर को दर्शाने वाली थीमैटिक फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

समिट का समापन भव्य अवार्ड सेरेमनी के साथ हुआ जिसमें बैंकिंग, उद्योग, शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्यमिता क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को सम्मानित किया गया।

अदाणी ग्रुप, रेडिको ग्रुप, अमूल, मानसिंह गोयल ग्रुप, नवभारत डिफेंस सिस्टम सहित अनेक प्रमुख संस्थानों को उद्योग एवं कॉरपोरेट उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए गए।

बैंकिंग श्रेणी में कैनरा बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक आदि ने विभिन्न श्रेणियों में सर्वोच्च सम्मान प्राप्त किए।

व्यक्तिगत पुरस्कारों में श्री अमरेंद्र कुमार, श्री अजित कुमार मिश्रा, श्री ब्रजेश कुमार सिंह सहित अनेक वरिष्ठ बैंकरों को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ अधिकारी घोषित किया गया।

इस कॉन्क्लेव ने बैंकिंग, उद्योग, शिक्षा और कृषि क्षेत्र के सभी हितधारकों को एक मंच पर लाकर उत्तर प्रदेश के निवेश माहौल को और सुदृढ़ करने, एमएसएमई को सशक्त बनाने तथा अगली पीढ़ी के औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण की दिशा में ठोस कदम उठाए। लखनऊ एक बार फिर राष्ट्रीय नीति संवाद और आर्थिक नेतृत्व के प्रमुख केंद्र के रूप में सामने आया।

इस अवसर पर इंडियन इन्वेस्टर्स फेडरेशन, उत्तर प्रदेश राज्य परिषद के अध्यक्ष श्री आर.के. शरण एवं उपाध्यक्ष श्रीमती संगीता श्रीवास्तव ने सभी सम्मानित अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया और कार्यक्रम को भव्य रूप से सफल बनाने के लिए उपस्थित सभी आंगतुकों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति हार्दिक धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

प्रयागराज में कार ने बाइक सवार दंपती को मारी टक्कर

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के करछना थाना क्षेत्र में एक अनियंत्रित कार की चपेट में आने से बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मृतक की पहचान नैनी थाना क्षेत्र के धनुहा मामा भांजा निवासी 52 वर्षीय दिग्विजय गौड़ पुत्र स्व. राम सत्य गौड़ के रूप में हुई है। वह अपनी पत्नी सुशीला गौड़ के साथ मेंजा क्षेत्र के बिगहनी गांव में एक रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। यह दुर्घटना देवरी कला गांव स्थित आर्गन हॉस्पिटल के पास मिर्जापुर–प्रयागराज हाईवे पर हुई। शहर की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पति–पत्नी दोनों सड़क किनारे बने लोहे के डिवाइडर से जा टकराए। इस हादसे में दिग्विजय गौड़ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी सुशीला देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। सूचना मिलने पर भीरपुर रिपोर्टिंग पुलिस चौकी इंचार्ज एसएन सिंह अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दी और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल सुशीला देवी को पास के आर्गन हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। चौकी इंचार्ज ने बताया कि पुलिस फरार कार चालक और वाहन का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

काशी साहित्यिक संस्थान ट्रस्ट का भव्य साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम सुधाकर महिला पीजी कॉलेज में संपन्न

वाराणसी। काशी साहित्यिक संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित भव्य साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम सुधाकर महिला पीजी कॉलेज में उत्साह और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर माँ सरस्वती के पूजन से हुई। तत्पश्चात मुख्य अतिथिगणकृकंचन सिंह परिहार, अरुणिमा दूबेकृने मंच पर पहुंचकर आसन ग्रहण किया तथा कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गई। संस्था का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया गया, जिसमें ट्रस्ट की साहित्य, संस्कृति और सामाजिक चेतना के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय भूमिका पर प्रकाश डाला गया। स्वागत गीत की मधुर प्रस्तुति ने वातावरण को और भी सांस्कृतिक स्पंदन से सराबोर कर दिया।रैम्प वॉक के माध्यम से प्रतिभागियों तथा विशिष्ट अतिथियों का परिचय कराया गया। तत्पश्चात बसर सहमा हुआ सा है कृ ममता तिवारी,हर दिन नई उड़ान कृ ममता तिवारी, आँसू (जयशंकर प्रसाद कृत) कृ

छत्तीसगढ़ी अनुवादरू ममता तिवारी ष्मृदुलाष्, गिरते अश्रु कृ कुमकुम गंगवार,मन कानन के फूल कृ सुनीलानंद,नीलम प्रभा सिन्हा की नर्सरी राइम्स संकलन और विविध रंग का पुस्तकों का विमोचन किया गया। प्रथम सत्र में काव्य–पाठ का आयोजन हुआ। भोजनावकाश में आगंतुकों एवं प्रतिभागियों ने पुस्तक मेले का भ्रमण किया और विविध साहित्यिक रचनाओं में रुचि व्यक्त की। दोपहर सत्र में काव्य–पाठ पुनः आरंभ हुआ। इसके बाद अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. संजय अनंत ने हिंदी साहित्य, फिल्म समीक्षा और समकालीन सांस्कृतिक विमर्श पर अपने सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए। सम्मान समारोह में साहित्य, कला और संस्कृति से जुड़े अनेक रचनाकारों को सम्मानित किया गया। डॉ. संजय अनंत को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। वंदना मिश्र को उनके दीर्घ साहित्यिक योगदान हेतु लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया तथा ध्1001 की सम्मान राशि प्रदान की गई। निधि चंद्रा को भी लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान किया गया। उनके सामाजिकदृसाहित्यिक कार्यों की मंच से सराहना की गई। अरुणिमा दूबेकृलेखिका एवं जीवविज्ञान अध्यापिकाकृको उनके 15 वर्षों के सक्रिय लेखन और प्रकाशित पुस्तकों हेतु सम्मानित किया गया। काजल कुमारी, काशी की युवा साहित्यकार, को साहित्य सम्मान से अलंकृत किया गया। इसके अतिरिक्त काशी काव्य श्री सम्मान, काशी साहित्य सारथी सम्मान, काशी साहित्यमणि सम्मान, काशी लोक कीर्ति सम्मान, काशी शारदा सम्मान आदि भी प्रदान किए गए। सरस्वती वंदना, स्वागत गीत और लोक नृत्य की प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ कार्यक्रम के आकर्षण का केंद्र रही। काशी साहित्यिक संस्थान ट्रस्ट नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने, पुस्तकों के प्रकाशनदृप्रचार में सहयोग करने और साहित्य व संस्कृति के संवर्धन हेतु विभिन्न गतिविधियों के आयोजन में सतत सक्रिय है। कार्यक्रम का संचालन उत्तम द्विवेदी तथा माधवी मिश्रा 'शुचि' द्वारा प्रभावी रूप से किया गया। मुख्य संयोजिका सुनीता जौहरी रहीं, जिनके मार्गदर्शन में सभी गतिविधियाँ सुचारू रूप से सम्पन्न हुईं। अंत में सुनीता जौहरी ने धन्यवाद ज्ञापन किया और हिन्दी भाषा में लेखन व वाचन को बढ़ावा देने का संदेश दिया। साथ लोगों को इस संस्था से जुड़कर हिन्दी भाषा में महती योगदान देने के लिए लोगों को आमंत्रित किया। कंचन सिंह, माधुरी मिश्रा, किरन ओझा, नीलम प्रभा सिन्हा, गुरुदास प्रजापति श्राजश, अजीत कुमार श्रीवास्तव , प्रदीप मिश्रा अजनबी, सीमा शर्मा मंजरी आदि ने काव्य पाठ कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया।

अल्पसंख्यक स्कूल विकास मंच द्वारा स्टूडेंट मेरिट अवॉर्ड एवं लीडरशिप एक्सीलेंस अवार्ड 2025 का सफल एवं भव्य आयोजन

मुजफ्फरनगर। अल्पसंख्यक स्कूल विकास मंच द्वारा गॉड्स ग्रेस इंटर कॉलेज में स्टूडेंट मेरिट अवॉर्ड एवं लीडरशिप एक्सीलेंस अवार्ड 2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदाय के मेधावी छात्रछात्राओं, को उभरते प्रतिभाशाली युवाओं तथा शिक्षा व समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित करना था। कार्यक्रम में जिलेभर के अल्पसंख्यक स्कूल विकास मंच से जुड़े विभिन्न स्कूलों, शिक्षण संस्थानों और सामाजिक संगठनों के विद्यार्थियों, शिक्षकों व अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत व मुख्य अतिथि का संबोधन

कार्यक्रम का शुभारंभ मौलाना के द्वारा कुरान शरीफ की किरात के साथ दुआ के कराकर हुआ। इसके बाद मुख्य अतिथि डॉ नवाज देवबंदी ने मंच को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल बच्चों का मनोबल बढ़ता है, बल्कि समाज में शिक्षा और नेतृत्व के महत्व को भी मजबूती मिलती है। जहीर फारूखी चेयरमैन पुरकाजी ने कहा कि मेधावी छात्र किसी भी समाज और राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी होते हैं, जिन्हें सही दिशा और प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है।उनके द्वारा एस आई आर के विषय में भी सभी को समझाया और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

मेरिट अवॉर्ड से सम्मानित हुए विद्यार्थी

स्टूडेंट मेरिट अवॉर्ड के तहत विभिन्न कक्षाओं से चयनित छात्रों को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन, रचनात्मक प्रतिभा, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी में नवाचार, खेल उपलब्धियों और सामाजिक गतिविधियों के आधार पर सम्मानित किया गया। मंच के अध्यक्ष मरगूब इलाही ने बताया कि इस बार रिकॉर्ड

संख्या में आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से श्रेष्ठ 400 विद्यार्थियों का चयन पारदर्शी प्रक्रिया के तहत किया गया।

लीडरशिप एक्सीलेंस अवॉर्डकृउभरते युवा शिक्षकों को मिला सम्मान

लीडरशिप एक्सीलेंस अवॉर्ड 2025 के अंतर्गत उन युवाओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में सुधार, समाज सेवा, स्कूल विकास, नवाचार, पर्यावरण जागरूकता, और सामाजिक बदलाव के लिए सक्रिय योगदान दिया है। मंच ने कहा कि युवाओं में नेतृत्व की ऊर्जा अपार होती है, जिसे सकारात्मक दिशा देने के लिए ऐसे सम्मान अत्यंत आवश्यक हैं।

मंच की पहल को मिली सराहना

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, शिक्षाविदों और अभिभावकों ने अल्पसंख्यक स्कूल विकास मंच की इस पहल की प्रशंसा की और कहा कि यह पूरे समुदाय के लिए गौरव की बात है। मंच के अध्यक्षों और सदस्यों ने बताया कि उनका उद्देश्य विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ाना और उन्हें समाज के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करना है।

अल्पसंख्यक स्कूल विकास मंच के महासचिव जहांगीर आलम ने घोषणा की कि आने वाले वर्षों में इस कार्यक्रम को और बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा और अधिक से अधिक स्कूलों एवं विद्यार्थियों को इसमें शामिल किया जाएगा।

समापन और आभार ज्ञापन

कार्यक्रम के अंत में साजिद हसन ने पुरस्कार प्राप्त छात्रछात्राओं व युवा शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं। मंच ने उपस्थित सभी शिक्षकों, अभिभावकों, अतिथियों और सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

कार्यक्रम को सफल बनाने मेंमरगूब इलाही शमा मॉडर्न जूनियर हाई स्कूल खालापार, डॉ अरशद सम्राट सम्राट इंटर कॉलेज मुजफ्फरनगर मोहम्मद हाशिम त्यागी स्काई लार्क पब्लिक स्कूल मोहम्मद आबिद अजीम पब्लिक स्कूल मोहम्मद शाहवेज आर एन पब्लिक स्कूल मोहम्मद इमरान न्यू गोल्डन फ्यूचर जूनियर हाई स्कूल मोहम्मद समीर मदरसा मेहमुदिया स्कूल मोहम्मद नाजिम एस एस एन स्कूल जहांगीर आलम मदनी इंटरनेशनल स्कूल साजिद हसन त्यागी गॉडस ग्रेस इंटर कॉलेज शाहबाज खान यूनिक इंटर कॉलेज का सहयोग रहा।

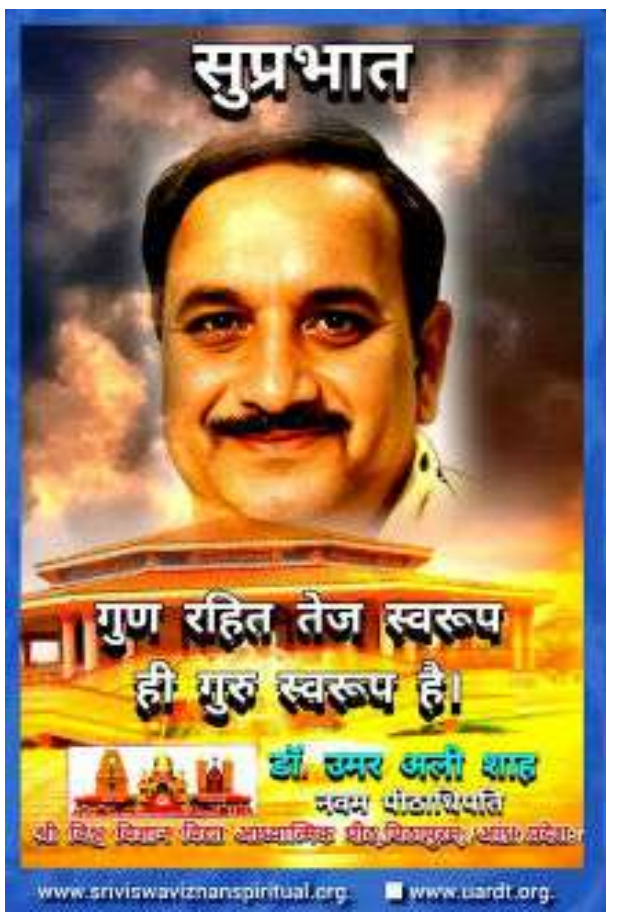

फूलों की सुन्दर छटा

चित्रकार के चित्र में, कूँची रही उकेर।
कलियाँ खिल करके सुबह,लातीं सुखद सबेर।
लातीं सुखद सबेर, निहित जिसमें जीवन है।
मुस्कानों के साथ, सुखद पल का कीर्तन है।
सुन लो कहें प्रदीप, शब्द हैं गीतकार के।
महक रहे हैं फूल, चित्र में चित्रकार के।।

फूलों की सुन्दर छटा, बनकर सुखद सबेर।
खुशबू भर संसार में,शोभा रही बिखेर।
शोभा रही बिखेर,हर्ष की बनी पुस्तिका।
लिखती मधुर विचार,रंग भर नई तूलिका।
सुन लो कहें प्रदीप, न चाहत सम्मानों की।
अद्भुत है पहचान, यही पावन फूलों की।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

तिनसुकिया गोलाघाट शाखा की नवम्बर माह की काव्य गोष्ठी धूमधाम से संपन्न

तिनसुकिया गोलाघाट सशाखा की नवम्बर महीने की महिला काव्य गोष्ठी शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी काव्या की अध्यक्षता में ऑनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस काव्य गोष्ठी की मुख्य अतिथि उषा बिनानी एवं विशिष्ट अतिथि अहिल्या मल्ल रही। मां शारदे की मूर्ति स्थापना ,दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी द्वारा किया गया। पश्चात मां सरस्वती की वंदना सीमा सिंघी द्वारा प्रस्तुत की गई । तत्पश्चात सभी ने अपनी अपनी प्रस्तुतियां देकर मंच को सुशोभित किया। प्रस्तुति देने वाली बहनों में मीना नागोरी,रंजना बिनानी काव्या, सीमा सिंधी एवं पूनम अग्रवाल रही ,इन सबने अपनी अपनी प्रस्तुतियां देकर मंच की शोभा बढाई । प्रत्येक माह गोलाघाट शाखा द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन किया जाता है। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन सरला बजाज द्वारा किया गया,धन्यवाद ज्ञापन शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी द्वारा दिया गया।

श्रीमद्भगवद्गीता श्लोकपाठ प्रतियोगिता में अनुराग अव्वल

प्रयागराज। माननीय कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह के निर्देशानुसार प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में सोमवार को श्रीमद्भगवद्गीता विषयक अंतर्विश्वविद्यालयीय श्लोकपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गीता जयन्ती के अवसर पर श्लोकपाठ प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रुप में आर्य कन्या डिग्री कालेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सोनमती पटेल एवं डीन कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह ने दीप जलाकर किया। शोधछात्र नितिन त्रिपाठी के वैदिक मंगलाचरण के बाद विषय प्रवर्तक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने कहा गीता हमें कर्तव्य बोध कराती है। लौकिक व्यवहार के

साथ आध्यात्मिक ज्ञान को जागृत करती है। डीन कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह ने कहा गीता जीवन में भूमिका निर्वहन का भान कराती है। डॉ. सोनमती पटेल ने कहा कि मानवता की रक्षा के लिए श्रीमद्भगवद्गीता के विचारों को जीवन में आत्मसात करना चाहिए। संचालक डॉ.पीयूष मिश्र ने कहा कि ज्ञान, कर्म और भक्ति के सूक्ष्म अन्तर्संबंधों को बताने वाली गीता लोक व्यवहार की कसौटी को कसती है। डॉ. दिव्या द्विवेदी, डॉ. राहुल कुमार, डॉ. प्रिया झा, डॉ. पूजा सिंह, डॉ. प्रशान्त सिंह, डॉ. कविता गौतम, नितिन , शिखा श्रीवास्तव ने भी गीता विषयक विचार प्रकट किये। दूसरे सत्र में श्रीमद्भगवद्गीता श्लोकपाठ प्रतियोगिता में गीता के श्लोकों का सस्वर वाचन, शुद्धता उच्चारण, स्मरणशक्तिपरक प्रस्तुति के आधार पर रज्जू भय्या विश्वविद्यालय के परास्नातक संस्कृत छात्र अनुराग आजाद को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। विभिन्न महाविद्यालय से स्नातक, परास्नातक तथा पीएचडी के लगभग पचास छात्रों ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।सभी प्रतिभागियों को श्रीमद्भभगवद्गीता की सजिल्द पुस्तक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। डॉ. प्रिया झा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मर जाएंगे, मिट जाएंगे...देश की शान बढ़ाएंगे सानवी त्रिपाठी ने राष्ट्रीय मंच पर बढ़ाया जिले का गौरव : डॉ. रत्न

प्रतापगढ़। सेंटोनियन स्कूल, साहिबाबाद के भव्य मंच से जब जनपद की बाल कवयित्री सानवी त्रिपाठी नेदेशभक्ति से ओत–प्रोत कविता "मर जाएंगे, मिट जाएंगेञ देश की शान बढ़ाएंगे" का ओजपूर्ण पाठ किया, तो पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।अवसर था गाजियाबाद सम्मान समारोह 2025 एवं अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का, जहाँ विभिन्न राज्यों से आए प्रतिष्ठित साहित्यकार उपस्थित थे। सानवी की अद्भुत प्रस्तुति पर आर.डी. काव्य कला, गाजियाबाद की अध्यक्षा शिवानी स्वामी, संयोजक डॉ. रंजीत शर्मा

साहित्यकार वीरेंद्र कौशल, गुरमीत सिंह,ज्योति मौर्या सहित अनेक साहित्यकारों ने फूलमाला पहनाकर तथा करतल–ध्वनि से उनका अभिनंदन किया। उनकी प्रभावशाली वाणी से दर्शकों में विशेष उत्साह देखा गया। सानवी त्रिपाठी की धमाकेदार प्रस्तुति से जनपद में खुशी की लहर दौड़ गई सवरिष्ठ साहित्यकार डॉ. दयाराम मौर्य 'रत्न' ने कहा कि "सानवी त्रिपाठी ने अखिल भारतीय कवि मंच पर काव्य पाठ कर जिले का मान बढ़ाया है। यह गौरव का क्षण है।"विद्यालय प्रबंधक अनिल प्रताप त्रिपाठी 'प्रवात' ने शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि "सानवी अपने बाबा प्रेम कुमार और बुआ ज्योति त्रिपाठी की साहित्यिक विरासत को नई ऊँचाइयाँ दे रही है।"समाजसेवी रोशन लाल उमरवैश्य, आनंद मोहन ओझा, संजय शुक्ला, पत्रकार अखिल नारायण सिंह, अमित शुक्ला, अनूप त्रिपाठी सहित अनेक गणमान्यों ने सानवी को हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

वुडन वर्कशॉप में आधी रात लगी आग से लाखों का नुकसान

मोरना। सक्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी मे लकड़ी की वर्क शॉप मे अल सुबह आग लग गयी आग की तेज लपटों को उठता देख आस पास के लोगो ने वर्क शॉप के मालिक को सूचना दी। घंटो की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। वर्क शॉप के मालिक ने आग से का लाखों का नुकसान बताते हुए प्रशासन से मदद की मांग की है। भोपा थाना क्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी के मोहल्ला नई बस्ती निवासी मोमीन मलिक ने बताया की मोहल्ले के मुख्यमार्ग पर उसकी लकड़ी की वर्क शॉप है। सोमवार की अलसुबह मोहल्ले के ही अमित पाल ने उन्हें वर्क शॉप मे आग लगने की सूचना दी जिसके बाद वह मौके पर पहुंचा तथा ग्रामीणों की सहायता से आग को बुझाया घंटे की कड़ी में मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। मोमीन मलिक ने बताया आग लगने से वर्क शॉप मे रखी साल की लकड़ी के 30 लठ्ठे,बकेंन की लकड़ी के सेंकड़ो तख्ते, चौखट, विंडो सहित फर्नीचर्स व ईमारती लकड़ी जिसकी कीमती लाखों रूपये की है जलकर राख हो गयी।वूडन वर्कशॉप के मालिक मोमिन मलिक ने बताया की वर्क शॉप मे आग सम्भवतः बराबर मे पड़े कूड़े के ढ़ेर से लगी है। वहीं मोहल्ले के वरिष्ठ नागरिक डॉ. अख्तर मलिक ने बताया बस्ती मे लगे कूड़े के ढ़ेरो मे आग लगी रहती है। कूड़े के ढेर तुरंत हटने चाहिए नगर पंचायत इसकी सुध ले।

जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ इन्डिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष, वरिष्ठ पत्रकार राजीव मोहन गोयल के पूज्य पिताजी की तेरंहवी में श्रद्धा-सुमन अर्पित करने उमडा जनसैलाब

मुजफ्फरनगर। राजीव मोहन गोयल के मुजफ्फरनगर के गाँधी कालोनी की गली नं० 12 स्थित आवास पर उनके पूज्य पिताश्री श्रद्धेय राधेश्याम गोयल की तेरंहवी पर श्रद्धा–सुमन अर्पित करने भारी संख्या में जनमानस पहुंचा । लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के प्रदेश अध्यक्ष पवन वर्मा, वैश्य सभा के अध्यक्ष प्रमोद मित्तल, संयुक्त वैश्य मोर्चा के अध्यक्ष कृष्ण गोपाल मित्तल, पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमन्त्री, उत्तर प्रदेश सरकार महेश बन्सल, पी आर पब्लिक स्कूल के प्रबन्धक अशोक सिंघल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस पब्लिक स्कूल, आदर्श कॉलोनी के संस्थापक पुरुषोत्तम सिंघल ,वरिष्ठ राजनीतिज्ञ अकिल राणा कूकड़ा के पूर्व प्रधान मुकेश गुप्ता ,नयन जाग्रति समाचार पत्र के संपादक श्री शिवम जैन,गांधी कॉलोनी के सभासद अमित पटपटिया ,गांधी कॉलोनी हाउसिंग सोसाइटी के चेयरमैन श्री पवन छाबड़ा,विनोद छाबड़ा , लायंस क्लब के वरिष्ठ श्री मुकेश अरोरा जी डॉ धर्मेंद्र चौधरी, हरि भाटिया ,कीर्ति भाटिया ,गिरधारी लाल ,पंडित सतीश चंद शर्मा जी ,लोक जनशक्ति पार्टी बागपत की अध्यक्षा प्रतिमा सिंह ,जी आई सी के पूर्व प्रधानाचार्य शैलेन्द्र त्यागी और बृजेश जी और वर्तमान प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र जी ,पूर्व शिक्षा अधीक्षक भगवानदास अरोरा जी आदि सम्मानित व्यक्ति उपस्थित हुए ओर सभी ने ब्रह्मलीन राधेश्याम गोयल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपने वक्तव्य में उन्हें महान देशभक्त, गरीबो, वंचितो, पिछड़ों का उद्धारक बताया । इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील तायल, राजवंश सभा के शलभ गुप्ता एडवोकेट, मैजिक डांस एकेडमी के निदेशक कोरियोग्राफर मोहन अरोरा, बंसल कोचिंग संस्थान के प्रबन्धक दीपक बन्सल, वरिष्ठ पत्रकार डॉ० एम ए तोमर, पत्रकार शरद शर्मा, पत्रकार रचित गोयल, जय समता पार्टी के युवा विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमन बन्सल आदि शामिल रहे।

सीसीआरएच पेंशनर्स कल्याण संघ की नई कार्यकारिणी गठित

नई दिल्ली। केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद सीसीआरएच मुख्यालय जनकपुरी नई दिल्ली में एसोसिएशन के नए पदाधिकारियों के गठन के लिए पिछले दिनों आम बैठक आयोजित की गई थी। इस अवसर पर केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय ,भारत सरकार ,नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ सुभाष कौशिक ने केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद पेंशनर्स कल्याण संघ की विशेष आम सभा की बैठक में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया और अपने उद्गार व्यक्त किया। इस बैठक में सीसीआरएचपीडब्ल्यूए अखिल भारतीय केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद पेंशनर्स कल्याण संघ के सदस्यों ने वर्ष 2025–27 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया। सीसीआरएचपीडब्ल्यूए अखिल भारतीय के लिए नव निर्वाचित कार्यकारिणी के अध्यक्ष के रूप में डॉ.एम. प्रकाश राव , महासचिव के पद पर डॉ. ओ. पी. वर्मा,उपाध्यक्ष के रूप में श्री एस. एस. भूटानी, श्री आर. के. सक्सेना,सह सचिव के रूप में श्री दिनेश सारंग तथा श्री राकेश दुआ को कोषाध्यक्ष चुना गया।इनके अलावा एक सात सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन भी किया गया जो इस प्रकार है ––डॉ. हरि सिंह,डॉ. एस. के. शर्मा,डॉ. कोल्ली राजू,डॉ. गुलराज कौर,डॉ. अनीता शर्मा,डॉ. बी. एस. आर्य और डॉ. एन. आर. मंडल।

अवधी लोक भाषा का भाषा लोक बहुत ही समृद्ध, इसे संजोने की जरूरत : अशोक

करछना। स्थानीय बोली बानी,हमारे अतीत की पहचान और संबंधों का गहबर रंग लेकर हमारे समाज में आज भी विद्यमान है। हमारी अवधी लोक भाषा का भाषा लोक भी इसी तरह से बहुत ही समृद्ध रहा है,आज भाषाई आपाधापी के बीच हमें चाहिए कि हम सब अपनी अवधी भाषा और बोली बानी के इस भाषा लोक की संस्कृति और परम्पराओं को संजोने के लिए आगे आएं। आकाशवाणी और दूरदर्शन के कार्यक्रम संचालक और लोक भाषा अवधी के चर्चित कवि अशोक सिंह बेशरम ने यह बातें रामपुर स्थित लोकमंगल संस्थान में कहीं। उन्होंने कहा कि ब्रज, बघेली, बुंदेली, भोजपुरी,मगही सहित तमाम स्थानीय बोली बानी से सृजित हमारे लोकगीतों में अनवरत अपने अतीत

सामाजिक परंपरा, मर्यादा, संस्कार,रीति रिवाज की लोक संस्कृति और माटी,परिपाटी का लोक रंग मुखरित हो रहा है। अपनी इन्हीं लोक भाषाओं की मिठास और अंतरंग के अहसास से जुड़े लोकभाषा के शब्द शिल्प अपने तमाम संवेदनों के साथ हमें पीढियों से जोड़ते आ रहे हैं। आधुनिक सभ्यता और खड़ी बोली के इस दौर में भी देशज शब्दों की अपनी विशेष छवि और पहचान है। वर्तमान में कई मानकों के अनुरूप हमें आज सारी भाषाओं को,लिखने,सीखने,और समझने की भी जरूरत है लेकिन अपनी दिनचर्या में अपनी बोली–बानी के आदर्श लोक स्वरूप को भी सहेजने की बहुत आवश्यकता है। विशेष रूप से कवियों और लोक कलाकारों को इसे सहेजने हेतु चिंतन की जरूरत है, जहां हम अपनी मनमोहन भाषा की गहबर अभिव्यक्ति के साथ रोजमर्रा की दिनचर्या में इसका प्रयोग कर अपने बोली बानी और जमीनीभाषा को विस्तार दे सकें। जहां एक और सरकार द्वारा भी इसके प्रचार प्रसार और बोली की विरासत को सहेजने के लिए कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।वहीं समाचार पत्रों,पत्र–पत्रिकाओं और विशेष कार्यक्रमों में भी हमें अपनी लोक भाषा से संबंधित बिबिध कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने की जरूरत है। जिससे हम अपनी अतीत की थाती और पुरखों की इस अनमोल विरासत को जीवंत रूप देते हुए आने वाली पीढ़ी को भी अपनी मीठी भाषा के सृजन धर्म से जोड़ रखें।

वनकामं के उत्तर प्रदेश की इकाई की काव्य गोष्ठी हुई सम्पन्न

कवियों ने बहाई काव्य की रसधारा

प्रयागराज। वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच, उत्तर प्रदेश की पूर्वी इकाई की एक मासिक ऑनलाइन काव्य गोष्ठी वनाकाव्य मंच के छत्तीसगढ़ इकाई की अध्यक्षा अनिता शरद झा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई। इसमें वरिष्ठ रचनाकार शिवराम उपाध्याय मुकुल मतवाला, विजय लक्ष्मी विभा, वीरेन्द्र तिवारी और कविता उपाध्याय का सानिध्य रहा। इस अवसर पर सर्वप्रथम माँ सरस्वती की वंदना शहर की जानी–मानी कवयित्री, महिला काव्य गोष्ठी की अध्यक्षा रचना सक्सेना की वाणी वंदना से हुई। कार्यक्रम का शानदार

संचालन वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच उ.प्र. इकाई के अध्यक्ष पंडित राकेश मालवीय मुस्कान ने किया। वहीं शहर के गणमान्य और लब्ध प्रतिष्ठित वरिष्ठ कवियों ने अपनी रचनाओं से पटल को गूंजायमान किया। इनमें प्रमुख रूप से मुख्य अतिथि अनिता झा, वनकामं के संरक्षक संजय सक्सेना, अध्यक्ष पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, वरिष्ठ कवि शिवराम मुकुल मतवाला, वरिष्ठ कवयित्री विजय लक्ष्मी विभा, कविता उपाध्याय, संजय सक्सेना, रचना सक्सेना, उमेश श्रीवास्तव, वीरेन्द्र तिवारी, जया मोहन, इंदु प्रकाश मिश्रा जमदग्नि, पुष्कर प्रधान, राजेश सिंह राज ने शानदार काव्य पाठ करके मंच में चार चाँद लगा दिया। धन्यवाद व आभार संजय सक्सेना ने किया।

सम्पादकीय.....

सत्ता लोलुपता से आई कांग्रेस बिखराव के कगार पर

कर्नाटक में सत्ता के लिए मचा संग्राम कांग्रेस की जगहसाई का कारण बन गया है। मुख्यमंत्री पद के लिए चल रही मारामारी से जाहिर है कि कांग्रेस का अनुशासन से कोई वास्ता नहीं रह गया है। सत्ता की कमजोरी कांग्रेस के बिखराव का कारण बनी हुई है। शिवकुमार धड़ा 2023 में सरकार बनाने के समय तय फॉर्म्युला को लागू करने की मांग कर रहा है। यह निश्चित है कि यदि शिवकुमार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री का पद नहीं मिला तो पार्टी में विद्रोह के हालात पैदा होंगे। पहला मौका नहीं है जब कांग्रेस में सत्ता को लेकर घमासान मचा हुआ है। कांग्रेस अपने स्थापनाकाल से 70 बार टूटी–बिखरी है। कई बड़े नेताओं ने पार्टी का साथ छोड़ दिया है। पार्टी अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से कांग्रेस के अंदर संकट गहराता चला जा रहा है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में चुनावी सफलताओं को छोड़ दें बीते 8 सालों में देश की सबसे पुरानी पार्टी की हालत लस्त–पस्त नजर आ रही है। एक ओर जहां कांग्रेस अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तैयारी कर रही थी तो दूसरी ओर इस पद के दावेदार अशोक गहलोत के समर्थकों ने ही बगावत का झंडा उठा लिया था। सचिन पायलट 28 विधायकों के साथ बागी हो गए थे वो अब कांग्रेस के सिपहसालार नजर आ रहे हैं तो दूसरी ओर गांधी परिवार के बेहद करीबी अशोक गहलोत ने अपने ही समर्थक विधायकों की बगावत पर हाथ खड़े कर दिए। कांग्रेस में टूट और बगावतों का इतिहास एक लंबा चौड़ा इतिहास रहा है। कांग्रेस का इतिहास ऐसी ढेरों घटनाओं से भरा हुआ, जब कांग्रेस की सत्ता को लेकर हुई टूट से किरकिरी हुई है। मोतीलाल नेहरू और सुभाष से लेकर गुलाम नबी आजाद तक, कांग्रेस में विद्रोह और टूटने इतिहास रहा है। 28 दिसंबर 1985 को अंग्रेज अधिकारी एओ ह्यून की अध्यक्षता में कांग्रेस का गठन किया गय था। इसमें दादा भाई नौरोजी और दिनशा वाचा भी शामिल थे। कांग्रेस का पहला अध्यक्ष व्योमेश चंद्र बनर्जी को बनाया गया था। कांग्रेस बनाने की उद्देश्य ब्रिटिश सरकार और भारत के नेताओं और आम जनता के बीच संवाद कायम करना था। लेकिन बाद में यह पार्टी आजादी के आंदोलन का सबसे प्रमुख मंच बन गई। साल 1922 में चौरी चौरा कांड की वजह से गांधी जी ने असयोग आंदोलन वापस ले लिया था। ये कांग्रेस के अंदर ही कुछ नेताओं को अच्छा नहीं लगा क्योंकि उनको लगता था। ये आंदोलन अंग्रेज सरकार को उखाड़ फेंकने की स्थिति में आ गया था। इसके बाद इसी साल गया कांग्रेस अधिवेशन हुआ जिसमें तय किया गया कि कांग्रेस के नेता विधान परिषद के चुनाव में हिस्सा नहीं लेंगे। इस फैसले से चितरंजन दास नाराज हो गए। खास बात ये थी कि अधिवेशन उन्हीं की अध्यक्षता में हो रहा था। उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी। अगले साल यानी 1923 में उन्होंने नरसिंह चिंतामन केलकर और मोतीलाल नेहरू बिट्ठलभाई पटेल के साथ मिलकर कांग्रेस स्वराज्य पार्टी का गठन किया। जिसके अध्यक्ष चित्तरंजन दास और महासचिव मोतीलाल नेहरू सचिव बनाए गए। गांधी जी सुभाष चंद्र बोस की नीतियों से सहमत नहीं थे। वो सुभाष की जगह किसी और को कांग्रेस अध्यक्ष बनाना चाहते थे। लेकिन सुभाष चंद्र बोस चाहते थे कि ऐसा अध्यक्ष बने जो अंग्रेजों से सत्ता छीनने के आए मौके को नहीं गंवाए। उस समय देश की प्रमुख हस्तियां भी सुभाष चंद्र बोस को ही कांग्रेस अध्यक्ष पद पर देखना चाहते थे। लेकिन गांधी जी ने पट्टाभि सीतारमैय्या को चुनाव के लिए खड़ा कर दिया। माना जा रहा था कि पट्टाभि सीतारमैय्या आसानी से चुनाव जीत जाएंगे क्योंकि उनको गांधी जी का आशीर्वाद था। लेकिन नतीजे गांधी जी को चौंकाने वाले थे। 203 वोटों से नेता जी सुभाष चंद्र बोस चुनाव जीत गए थे। लेकिन अध्यक्ष होने के बाद भी कांग्रेस के अंदर की गुटबाजी की वजह से परेशान होकर सुभाष चंद्र बोस ने कांग्रेस से अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। 1939 में उन्होंने अखिल भारतीय फारवर्ड ब्लाक नाम से अलग पार्टी बनाई। जीवटराम भगवानदास कृपलानी यानी जेपी कृपलानी कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में से एक थे। आजादी के समय यानी साल 1947 में कृपलानी ही कांग्रेस के अध्यक्ष थे। हालांकि उस समय के घटनाक्रमों पर नजर डालें तो नेहरू और पटेल से वो सिद्धांतों के आधार पर असहमत थे। 1950 में जब कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव हुआ तो नेहरू जेपी कृपलानी का समर्थन किया था। जबकि सरदार पटेल पुरुषोत्तम दास टंडन के पक्ष में थे। इस चुनाव में पुरुषोत्तम दास टंडन की जीत हुई। हार से नाराज और गांधी जी के सपनों को अधूरा होते देख जेपी कृपलानी 1951 से अलग हो गए। उन्होंने किसान मजदूर पार्टी बनाई। बाद में यह समाजवादी पार्टी में मिल गई। सी राजगोपालाचारी स्वतन्त्र भारत के दूसरे गवर्नर जनरल और प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल थे। सरदार पटेल के निधन के बाद उनको गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। लेकिन कांग्रेस में मतभेद के चलते उन्होंने 1956 में इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी का गठन किया था। 1959 में कांग्रेस में सबसे बड़ी बगावत हुई और पार्टी बिहार, राजस्थान, गुजरात और ओडिशा में टूट गई। इसके कुछ सालों बाद केएम जार्ज की अगुवाई में केरल कांग्रेस का गठन हुआ। 1967 में चौधरी चरण सिंह ने कांग्रेस से अलग होकर भारतीय क्रांति दल बनाया जिसे आज आरएलडी कहा जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को ही 12 नवंबर 1969 को कांग्रेस से बाहर कर दिया गया। यह कांग्रेस के इतिहास की सबसे बड़ी घटना थी। इसके बाद इंदिरा ने नई कांग्रेस (ए) बनाई। बाद में इसका नाम कांग्रेस आई रखा गया। वर्तमान में यही कांग्रेस है जिसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कहा जाता है। 1984 में राजीव गांधी से नाराज होकर विश्वनाथ प्रताप सिंह ने जनमोर्चा नाम से पार्टी बनाई। जिसके बाद यह भी कई खंड–खंड हो गई जिससे जनता दल, जनता दल (यू), राजद और समाजवादी पार्टी जैसी छोटी पार्टियों का जन्म हुआ। साल 1999 में कांग्रेस फिर एक बड़ा विद्रोह हुआ। शरद पवार ने राष्ट्रीय कांग्रेस, ममता बनर्जी ने टीएमसी और आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस, जनता कांग्रेस, ओडिशा में बीजू जनता दल और जम्मू–कश्मीर में मुफ्ती मोहम्मद सईद की अगुवाई में पीडीपी का गठन हुआ। बीते साल 2021 में पंजाब विधानसभा चुनाव में पार्टी के कद्दवार नेता रहे कैप्टन अमरिंदर सिंह ने भी कांग्रेस छोड़कर पंजाब लोक कांग्रेस बनाई और कुछ दिन पहले पार्टी का बीजेपी में विलय कर दिया है। संसद में कांग्रेस का प्रमुख चेहरा रहे गुलाम नबी आजाद ने भी गांधी परिवार से अलग होकर नई पार्टी बनाने ऐलान कर दिया। चुनावों में लगातार हो रही हार और पार्टी में आमूलचूल परिवर्तन को लेकर उनकी ओर से सोनिया गांधी को चिट्ठी भी लिखी गई।

सी.ओ.पी.३०' और 'जी-२०' समिट भारत के लिए चुनौती

मनीष तिवारी

केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ

नवंबर 2025 में, दो बड़े वैश्विक सम्मेलन हुए–ब्राजील के बेलेम में सी.ओ.पी.30 और साऊथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में जी–20। हालांकि बयानबाजी में कुछ हद तक एक जैसे थे लेकिन उन्होंने क्लाइमेट एक्शन और मल्टीलेटरल कोऑपरेशन के अलग–अलग नजरिए पर जोर दिया। दोनों सम्मेलनों ने क्लाइमेट एक्शन की जरूरत को माना लेकिन सी.ओ.पी.30 और जी–20 सम्मेलन के नतीजों ने जीवाश्म ईंधन और क्लाइमेट फाइनैंस से जुड़े मुद्दों पर उनके नजरिए में काफी अंतर दिखाया। इसके अलावा, उन्होंने मौजूदा वैश्विक शासन संस्थानों में बड़ी कमियों को भी उजागर किया और भारत समेत कई देशों के लिए जरूरी चुनौतियां खड़ी कीं। सम्मेलन कहां अलग–अलग होते हैं। सी.ओ.पी.30 एक बड़ी निराशा के साथ खत्म हुआ। फाइनल डील में जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को धीरे–धीरे खत्म करने पर कोई पक्का वादा नहीं था जबकि कोलंबिया, पनामा और उरुग्वे समेत 80 से ज्यादा देशों ने ऐसा करने की मांग की थी। हालांकि, सम्मेलन में कोयला, तेल और गैस का इस्तेमाल कम करने के लिए साफ भाषा अपनाने का दबाव था लेकिन सी.ओ.पी.30 का आखिरी नतीजा सिर्फ ऊर्जा के दूसरे सोर्स पर जाने के लिए अपनी मर्जी से, बिना किसी शर्त के रोडमैप का एक सैट था। इसके अलावा, दो ट्रैक (एक यू. एन.के अंदर और एक बाहर) बनाए गए , जिससे असल में दोनों ट्रैक से लागू करने के तरीके हट गए। इसी तरह, जी–20 ने एक लीडर की घोषणा करते समय सावधानी बरती, जिसमें क्लाइमेट चेंज को इमरजैंसी मानने की जरूरत को माना गया और 2030 तक रिन्यूएबल एनर्जी के इस्तेमाल को तीन गुना करने का लक्ष्य बताया गया, कम कार्बन ऊर्जा सोर्स में बदलाव के तरीके के तौर पर 'टैक्नोलॉजी न्यूट्रैलिटी' के विचार का समर्थन करते हुए, घोषणा में 'एनर्जी सिक्योरिटी' को जीवाश्म ईंधन के साथ–साथ रिन्यूएबल एनर्जी में निवेश करने का एक सही कारण माना गया। सभी सदस्य देशों के बीच आम सहमति बनाने के लिए कंटैंट को जल्दबाजी में तैयार किया गया था, इसलिए समझौते के लिए महत्वाकांक्षा को कुर्बान कर दिया गया। जीवाश्म ईंधन के इंटरैस्ट दोनों सम्मेलनों में प्रतिभागियों के बीच सबसे बड़ा मतभेद वाला क्षेत्र दिखाते हैं। सऊदी अरब, रूस और दूसरे तेल बनाने वाले देश (जैसे यू.ए.ई.) दोनों मीटिंग में उत्सर्जन कम करने के लिए कानूनी रूप से बाइंडिंग कमिटमैंट्स को रोकने में अहम भूमिका निभा रहे थे। सऊदी अरब पहले के ग्लोबल क्लाइमेट सम्मेलन में प्रतिभागी होने के बावजूद, जीवाश्म ईंधन को धीरे–धीरे खत्म करने के बारे में खास भाषा को लागू करने से रोकने में खास तौर पर सफल रहा है। आखिरकार, इन देशों की बड़े एमिटर के तौर पर एकजुट होने की क्षमता, विकसित देशों के बीच आम सहमति की इच्छा और विकासशील और विकसित देशों के बीच बंटवारे के कारण ग्लोबल जीवाश्म ईंधन लिमिट विकसित करने की राजनीतिक इच्छा की कमी हुई। भारत ने क्लाइमेट इक्विटी और रिन्यूएबल एनर्जी डिवैल्पमैंट का समर्थन करते हुए, जीवाश्म ईंधन की पक्की टाइमलाइन का भी विरोध किया। भारत ने विकास की जरूरत के आधार पर इस बात को सही ठहराया, यह तर्क देते हुए कि विकसित देशों पर उत्सर्जन के लिए ऐतिहासिक जिम्मेदारी है और उन्हें पहले गरीब देशों में बदलावों को फाइनैंस करना चाहिए। हालांकि यह सही इक्विटी सिद्धांतों पर आधारित था लेकिन इस रुख ने यूनिवर्सल जीवाश्म ईंधन कमिटमैंट्स को स्थापित करने की कोशिशों को मुश्किल बना दिया। क्लाइमेट फाइनैंस गैप रू सी.ओ.पी.30 और जी–20 सम्मेलनों ने लगातार ग्लोबल फाइनैंस घाटे पर जोर दिया। सी.ओ.पी.30 ने 2035 तक एडैप्टेशन फाइनैंस में 1.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का लक्ष्य घोषित किया लेकिन बिना किसी बाध्यकारी फंडिंग पाथवे या अकाऊंटेबिलिटी मैकेनिज्म के। जी–20 ने भी इसी तरह 'बिलियन से ट्रिलियन' तक जाने की जरूरत को माना लेकिन मोबिलाइजेशन स्ट्रैटेजी पर बहुत कम सफाई दी। विकासशील देशों को क्लाइमेट लक्षित को पूरा करने के लिए 2030 तक हर साल लगभग +5.8–+5.9 ट्रिलियन की जरूरत है जो मौजूदा कमिटमैंट्स से कहीं ज्यादा है। रियो (1992) से किए गए वादों को पूरा करने में विकसित देशों की लंबे समय से चली आ रही नाकामी ग्लोबल क्लाइमेट को ऑपरेशन में भरोसा और वैधता को कम करती जा रही है। जैसा कि भारत ग्लोबल साऊथ की तरफ से तर्क देता है कि यह कमी सिर्फ फाइनैंसिंग का गैप नहीं है, यह क्लाइमेट इक्विटी और न्याय का उल्लंघन है। भारत की स्ट्रैटेजिक पोजीशनरू भारत टूटे हुए क्लाइमेट लैंडस्केप को सावधानी से देखता है। इसने 2005 से पहले के रिन्यूएबल एनर्जी लक्ष्य को पार कर लिया है और एमिशन इंटैंसिटी को 36 प्रतिशत तक कम कर दिया है जिससे पता चलता है कि विकास और क्लाइमेट एक्शन एक साथ आगे बढ़ सकते हैं। फिर भी, कोयले से भारत की 74 प्रतिशत से ज्यादा बिजली बनती है और ग्रोथ और डीकार्बोनाइजेशन के बीच जारी ग्लोबल टैंशन को दिखाते हुए कोई फिक्स्ड फेज–आऊट टाइमलाइन नहीं है। भारत जैसे विकासशील देशों को कई अलग–अलग इंस्टीच्यूशन पर अपना डिप्लोमैटिक असर डालने की एक और चुनौती का सामना करना पड़ता है, साथ ही उन्हें बराबरी के सिद्धांतों पर आधारित गठबंधन बनाने की दिशा में काम करना पड़ता है।

बनारस की दाल मंडी

अनवार अब्बास नकवी

बनारस घाटों,मंदिरों और गलियों का मस्त मलंग शह्र है,इसकी गलियों में साजिंदों के साज भी झनकते रहे हैं,दहाड़ियों की अलापें भी गूंजती रही हैं,सिक्के भी खनकते रहे हैं और दौलत भी बरसती रही है। दाल मंडी को अगर बनारस की वह मंडी कहिये जहाँ किसी भी कधिमत पर कुछ भी खघ्रीदा जा सके तो कुछ गलत न होगा,तंग और सकरी गलियों की इस मंडी में रोज कितने का कारोबार होता रहा है और उसके सबब कितने लोगों के घर चलते रहे हैं इसका अंदाजा बनारस वाले और खघस तौर पर दाल मंडी वाले ही लगा सकते हैं जो कि साझा रिहाइशी और कारोबारी इलाकघ हैं,इस मंडी इलाकघे में हिन्दू मुसलमान सब रहते और कारोबार करते रहे हैं। दाल मंडी मुग्लों के जमाने में मंडी नाम का इलाकघ था।

चूँकि कघ्दीम दौर की तरह उस दौर में भी नाच गान एक कारोबार था लिहाजा मंडी में रकघ्कघसातध्नाचने वालियाँ और मुगन्नियातधगाने वालियाँ नाच गाने का कारोबार करती थीं जिन्हें तवाएफ कहा जाता था। यहाँ यह लिखता चलूँ कि तौफ चक्कर या को कहते हैं और तवाएफ कहते चक्कर लेने वाली यानी नाचने वाली को। मंडी में तवाएफों के कोठों पर उस जमाने में जो नाच गाने का कारोबार होता था जिसे हम आज होने वाले नाच गाने के लाइव शो से समझ सकते हैं। तवायफों के कोठे उस वकघ्त बराहे रास्त तफरीही मरकजध लाइव इंटरटेनमेंट सेंटर की हैसियत रखते थे,वहाँ तवाएफें नंगी खुली नहीं सजी संवरी रहती थीं।

मालूमात की कमी के सबब बहुत से लोग तवाएफ और जिस्म फरोश में फर्कध नहीं कर पाते, तवायफें जिस्म फरोशी नहीं करती थीं,जिस्म फरोशी एक अलग पेशा था जिसका अलग बाजार मंडी से कघ्रीब मंडुवाडीह मुहल्ले में था। बनारस की मंडी में बनाव सिंगार किये हुई गुड़िया जैसी सजी संवरी तवायफों को देख कर अंग्रेजों ने अपने हुकूमती दौर में उसे ष्डाल मंडीष् यानि गुड़िया मंडी कहना शुरूअ किया जो कि वकघ्त के साथ अब दाल मंडी हो चुका है। अंग्रेज नाचने गाने वालियों को नच–गर्ल यानी नचनिया भी कहते थे।

नाच और गाने के बाजार से दहाड़ी और साजिंदे भी वाबस्ता थे,दहाड़ी का काम गानों के लिए तर्जध्वुन बनाना था और साजिंदे नाच गानों को साज की संगत देते थे। तवायफों के मुहल्लों के हेर फेर में गुल फरोशी,इत्र फरोशी और सर्राफे का कारोबार करने वाले जरूर होते थे क्योंकि फूल और इत्र कोठों की तहजीबी जरूरत थे,सर्राफे का कारोबार मेलान का कारोबार था क्योंकि कोठों की वजह से सोने चाँदी के बेचे खघ्रीदे जाने का सिलसिला जियादा रहता था।

पुराने बाजारों मंडियों से मिला सराय का इलाकघ भी होता था जहाँ मुसाफिर,ताजिर और सौदागर ठहरते थे।सराय में किराये पर रिहाइशी ठिकाने जियादातर भटियारे चलाते जिस वजह से उन रिहाइशों को भटियार खघना भी कहा जाता था। सराय के वह ठिकाने उस वकघ्त के होटल या पेइंग गेस्ट सेंटर होते थे जहाँ रुकने वालों के खाने पीने,नहाने सोने,ऐश तफरीह और दूसरी जरूरतों का पूरा इंतेजाम होता था,वहाँ रुकने वालों के मुतालबे पर नाचने गाने वालियों का बंदोबस्त भी हो जाता था। बाजार में हमेशा से कारोबार एक दूसरे का हाथ पकड़ कर ही चलते रहे हैं, मुहावरा भी है कि अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ता।

कहते हैं कि इलाहाबाद में छप्पन छुरी के नाम से मशहूर तवाएफ दाल मंडी से ही इलाहाबाद आई थीं और उन्हें यहाँ ऐसी शोहरत मिली कि फिर यहीं की हो कर रह गयीं,उनकी कघ्ब्र इलाहाबाद ही के एक कघ्ब्रिस्तान में है। सारी दुनिया में शहनाई के लिए मशहूर भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खघन का घराना गालिबन गया से आ कर बनारस की दाल में बसने वाला घराना था जिसकी तर्ज साजी और धुन निगारी में महारत के सबब बनारस के दहाड़ी घराने बड़ी इज्जत ओ ताजीम करते थे,बिस्मिल्लाह खघन का घराना दहाड़ी घराना नहीं था। सन पचास के बाद साठ की दहाई में बिस्मिल्लाह खघन ने इलाहाबाद के अजाइया मुहर्रमी जुलूस में भी शहनाई बजाई थी,इस बात के कई जानने अभी शह्र में बा–हयात होंगे।

उत्तर प्रदेश से कुल फुटबॉल खिलाड़ियों में से कघ्रीब कघ्रीब आधे खिलाड़ी दाल मंडी और उस से मिले हुए इलाकघें ने भारत को दिये हैं। आज इलाहाबाद में फुटबॉल क्लब चलाने और भारत को कई जूनियर स्टेट और जूनियर नेशनल खिलाड़ी देने वाले शादाब रजा भी दाल मंडी के हैं जिन्हें स्पोर्ट्स कोटे से एजी आफिस में मुलाजमत मिली थी। दाल मंडी के आप पड़ोस ने भारत को कई हाकी के मशहूर खिलाड़ियों भी दिये हैं।

अंग्रेजी हुकूमत के खघ्लिाफ तहरीके आजादी और जंगे आजादी के जमाने में दाल मंडी की तवायफों के कोठे भारत की आजादी के मतवालों के लिए महफूज टेक और पनाहगाह भी रह चुके हैं। भारत की तारीखघ में दाल मंडी का बहुत अहम और हमाजेह्त तारीखघि हिस्सा है। तंग और पतली गलियों वाली दाल मंडी की पुरानी तारीखघ अब भारत के विकास की नई तारीखघ में तब्दील हो रही है। तारीखघ हर वकघ्त बिगड़ती बनती रहने और कभी न रुकने वाली तब्दीली ही तो है,हालात हमेशा बदलते रहे हैं और बदलते रहेंगे,बिगड़ने बनने और अदलने बदलने का सिलसिला कोई नया सिलसिला नहीं है,इसी सिलसिले में न दिखाई देने वाली वह तरकघ्कघि पोशीदा होती है जो बाद में नजर आती है,उम्मीद है कि दाल मंडी वाले आने वाले वकघ्त में अपनी नयी तरकघ्कघि को अपनी आँखों से जरूर देखेंगे,खुशहाल होंगे,खघुश होंगे, मगर मुझे ऐसा लग रहा है जैसे आज दाल मंडी मेरा कहा हुआ शेर अपनी मुनासबत से पढ रही है जो मैंने कभी अपनी निस्बत से कहा था।

गर्दिश पजीर अर्सा ए माजी का नक्श है
जी भर के देख ले निगहे अहद बीं मुझे

डॉ0 संगीता पाल कृत बचपन की पचपन कविताएं पुस्तक का हुआ विमोचन

साहित्य समाज व संस्कृति का संरक्षण करता है – सोहनलाल श्रीमाली
बच्चों के लिए उपयोगी पुस्तक है बचपन की पचपन कविताएं – भोलानाथ कुशवाहा
बच्चों के लिए लिखना कठिन कार्य है – डॉ0 मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव

आचार्य रामचंद्र शुक्ल स्मारक शिक्षण संस्थान के तत्वावधान में पुस्तक विमोचन, कवि गोष्ठी व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. संगीता पाल की पुस्तक बचपन की पचपन कविताएं का विमोचन मुख्य अतिथि सोहनलाल श्रीमाली अध्यक्ष भोलानाथ कुशवाहा और मंचासीन अतिथियों ने किया। मंच पर कवि व लेखक डॉ. मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव (गाजियाबाद), कवि रविपाल खामोश (इटावा), कवयित्री सुशीला पाल (बलिया), राकेश चंद्र शुक्ल, लालब्रत सिंह सुगम, रविन्द्र पाण्डेय सरल, मुहीब मिर्जापुरी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आनंद अमित और अनिल कुमार यादव ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सोहन लाल श्रीमाली व अन्य अतिथियों ने सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके किया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि साहित्य समाज और संस्कृति को संरक्षित करता है। डॉ संगीता पाल ने अपनी कविताओं के माध्यम से बच्चों को संस्कृति से जोड़ा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा ने कहा कि डॉ संगीता पाल ने बच्चों के लिए उपयोगी पुस्तक का सृजन किया है। कविताओं के माध्यम से संगीता पाल ने बच्चों का मार्गदर्शन किया है। डॉ मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा बच्चों के लिखना कठिन कार्य है। डॉ. संगीता पाल ने बच्चों के लिए अच्छी कविताएं लिखी हैं। रवि खामोश ने कहा– डॉ संगीता पाल की पुस्तक में बचपन का पूरा सारांश है। सुशीला पाल ने कहा कि डॉ संगीता की कविताओं में प्रवाह है। मुहीब मिर्जापुर, रविन्द्र कुमार पाण्डेय, लालब्रत सिंह सुगम और अर्चना द्विवेदी ने अपने वक्तव्य में डॉ पाल की कविताओं की प्रशंसा की। डॉ संगीता पाल ने अपनी मधुर आवाज में रचनाएं सुनाकर सभी को प्रभावित किया।

इस अवसर पर कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। डॉ. संगीता पाल, रवि खामोश, सुशीला, अर्चना, मुहीब मिर्जापुर, विजय कुमार श्रीवास्तव, गुमनाम मिर्जापुरी, नंदलाल सिंह, डॉ नीरज पांडेय, हौसला प्रसाद मिश्रा, अमरनाथ व अन्य कवियों ने काव्य पाठ किया।

आचार्य राम चंद्र शुक्ल स्मारक शिक्षण संस्थान की ओर से त्रिवेणी, महिला काव्य मंच, साहित्य चेतना समाज और हिन्दी श्री संस्थाओं को सम्मानित किया गया। डॉ संगीता पाल को हिंदी श्री साहित्य संस्थान की ओर से देव साहित्य श्री सम्मान प्रदान किया गया। सभी कवियों व अतिथियों को अंग वस्त्र और सम्मान पत्र प्रदान किया गया। आचार्य रामचंद्र शुक्ल विद्यालय के बच्चों ने डॉ संगीता पाल की कविताओं का पाठ प्रस्तुत किया इसके लिए सभी बच्चों को सम्मान पत्र व पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में मिर्जापुर में खुल रहे विश्वविद्यालय के नाम में आचार्य राम चंद्र शुक्ल जी का नाम जोड़ने और बाल्मीकि जयंती के साथ आचार्य शुक्ल का नाम जोड़ने के लिए मुख्य अतिथि सोहन लाल श्रीमाली को ज्ञापन सौंपा गया।

कार्यक्रम में प्रो चंद्र प्रकाश, राजन, रुचि, दिव्या, ज्योति, कमला पाल, रामअवध पाल, ज्ञानेश्वर, इरफान कुरैशी, सुभाष वर्मा, आशीष चंद्र शुक्ल, रमेश चंद्र आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रबंधक राकेश चंद्र शुक्ल ने सभी का धन्यवाद प्रकट किया।

`तेरे इश्क में' की सफलता की खुशी में डूबे धनुष-कृति, पुणे के गणपति मंदिर में टेका माथा

अभिनेता धनुष और अभिनेत्री कृति सेनन अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'तेरे इश्क में' की सफलता का जश्न मना रहे हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई है और सोशल मीडिया पर इसे जबरदस्त तारीफ मिल रही है। दर्शक इसे दोनों कलाकारों के करियर की सबसे सफल फिल्मों में से एक मान रहे हैं।

पुणे के दगडूशेठ गणपति मंदिर पहुंचे सितारे

फिल्म की कामयाबी के बीच, धनुष और कृति सेनन रविवार, 30 नवंबर को आशीर्वाद लेने के लिए पुणे के प्रसिद्ध दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर पहुंचे। कृति ने इस मौके के लिए हल्के हरे रंग का कुर्ता और गोल्डन-ग्रीन पैटर्न वाला शरारा पहना था। उन्होंने अपनी ड्रेस को मैचिंग बड़ी अंगूठियों और झुमकों के साथ पूरा किया, जिसमें वह बहुत खूबसूरत लग रही थीं। धनुष ने एक सादा सफेद कुर्ता और नीली जींस पहनी थी, जबकि डायरेक्टर आनंद एल. राय ने जींस के साथ हल्के गुलाबी रंग की शर्ट पहनी हुई थी।

कृति ने दर्शकों को कहा धन्यवाद

अपनी लेटेस्ट रिलीज के बारे में मिले अच्छे रिव्यूज़ का एक वीडियो (मोंटाज) शेयर करते हुए, कृति ने लिखा कि अपनी फिल्म के प्रति दर्शकों के सकारात्मक प्यार को देखकर उनका दिल खुशी से भर गया है। कृति ने आगे लिखा, एक एक्टर के लिए सबसे अच्छी फीलिंग तब होती है जब दर्शक आपके किरदार के छोटे से छोटे अहसास और अनकहे शब्दों से भी खुद को जोड़ पाते हैं। अपनी कैरेक्टर मुक्ति के बारे में बात करते हुए, दो पत्ती एक्ट्रेस ने कहा कि यह उनके करियर का सबसे गहरा और मुश्किल किरदार था।

प्रमोशन के दौरान वाराणसी की यात्रा

शतेरे इश्क मेंश की रिलीज से पहले, लीड कलाकारों ने फिल्म के प्रमोशन के लिए वाराणसी का दौरा किया था।

> फिल्म की कामयाबी के बीच, धनुष और कृति सेनन रविवार, ३० नवंबर को आशीर्वाद लेने के लिए पुणे के प्रसिद्ध दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर पहुंचे। कृति ने इस मौके के लिए हल्के हरे रंग का कुर्ता और गोल्डन-ग्रीन पैटर्न वाला शरारा पहना था। उन्होंने अपनी ड्रेस को मैचिंग बड़ी अंगूठियों और झुमकों के साथ पूरा किया, जिसमें वह बहुत खूबसूरत लग रही थीं।

वहां उन्होंने गंगा आरती में भाग लिया और भगवान शिव के कपड़े पहने एक छोटे फैन के साथ तस्वीरें भी खिंचवाई थीं। उनकी इस यात्रा की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हुई थीं।

पति जैकी संग मालदीव वेकेशन पर निकलीं रकुल प्रीत, समंदर किनारे दिखा मिसेज भगनानी का बेहद बोल्ड अवतार

फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' की शानदार सफलता का जश्न मनाने के बाद रकुल प्रीत सिंह इन दिनों मालदीव में वेकेशन पर निकल गई हैं, जहां वो अपने जीवनसाथी जैकी भगनानी संग खूबसूरत लम्हें एंजॉय कर रही हैं। रकुल ने अपने इस ट्रॉपिकल गेटअवे की कई खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस का दिल खुश हो गया है। शेयर की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि रकुल नीले समुद्र और रेत के बीच खुलकर मस्ती करती नजर आ रही हैं। कई तस्वीरों में रकुल प्रीत सिंह को स्टाइलिश मिनी स्कर्ट और टॉप में बेहद हॉट लग रहा हैं। वेकेशन के दौरान एक्ट्रेस ने अपने बिकिनी लुक की झलक भी दिखाई। येलो बिकिनी में बीच पर रिलैक्स करते हुए उनकी तस्वीरें छुट्टी का सुकून साफ बयान करती हैं। एक फोटो में रकुल और जैकी को बीच पर क्लोज मोमेंट्स शेयर करते देखा गया। दोनों एक साथ बेहद खुश नजर आए। फैंस ने इस तस्वीर पर ढेर सारा प्यार बरसाते नजर आ रहे हैं। काम की बात करें तो रकुल प्रीत सिंह को हाल ही में फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में अजय देवगन के साथ लीड रोल में देखा गया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छी कमाई कर रही है। इस फिल्म में उनके साथ आर. माधवन, जावेद जाफरी और मिजान जाफरी भी अहम किरदारों में नजर आए हैं।

बिग बॉस 19 से बाहर होते ही अशनूर कौर ने किया पहला पोस्ट, घर की बालकनी से फोटो शेयर कर कहा- तूफान के बाद सुकून

एक्ट्रेस अशनूर कौर टीवी रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' के घर से बाहर हो चुकी हैं। उनका एविक्शन फैंस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं रहा। शो के होस्ट सलमान खान ने वीकेंड के एपिसोड में जानकारी दी कि अशनूर को तान्या मित्तल के साथ अनजाने में हुई फिजिकल वायलेंस के चलते घर से बाहर कर दिया गया है। वहीं, बिग बॉस के घर से अपने घर पहुंचते ही अशनूर ने पहला पोस्ट किया, जो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गया। शो से बाहर आने के बाद अशनूर ने सोशल मीडिया पर अपनी पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अपने घर की बालकनी में खड़े होकर एक प्यारी-सी फोटो पोस्ट की, जिसमें

उनके हाथों में उनका पालतू डॉग भी नजर आया। फोटो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा- "मुश्किल तूफान के बाद सुकून। अशनूर का पोस्ट कुछ ही घंटों में वायरल हो गया और फैंस उनके सपोर्ट में लगातार मैसेज भेज रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस सीजन का ग्रैंड फिनाले 7 दिसंबर 2025 (रविवार) को होने वाला है। गौरव खन्ना 'टिकट टू फिनाले' जीतकर पहले ही फिनाले वीक में पहुंच चुके हैं। वहीं घर में अभी अमाल मलिक, तान्या मित्तल, शहबाज बदेशा, मालती चाहर, प्रणित मोरे और फरहाना भट्ट बने हुए हैं। चर्चा है कि शहबाज बदेशा जल्द ही एलिमिनेट हो सकते हैं, लेकिन इसका खुलासा रविवार 30 नवंबर को होने वाले वीकेंड का वार में होगा।

काजोल-ट्विंकल का `टू मच' Prime Video पर छाया, बनी सबसे सफल अनस्क्रिप्टेड सीरीज

प्राइम वीडियो का सेलिब्रिटी टॉक शो "टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल," जिसे बॉलीवुड स्टार काजोल और राइटर-प्रोड्यूसर ट्विंकल खन्ना होस्ट करती हैं, भारत में प्लेटफॉर्म की सबसे सफल अनस्क्रिप्टेड सीरीज़ बन गई है, जो देश के 93 प्रतिशत से ज़्यादा पोस्टल कोड वाले दर्शकों तक पहुँची है। बनिज एशिया में बनी इस सीरीज़ के पहले सीज़न में सलमान खान, आमिर खान, अक्षय कुमार, सैफ अली खान, आलिया भट्ट, कृति सनोन, वरुण धवन और करण जौहर जैसी बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियां थीं, और इसका आखिरी एपिसोड क्रिकेट वर्ल्ड कप चौंपियन जेमिमा रोड्रिग्स और शैफाली वर्मा के साथ था। बनिजय एशिया द्वारा निर्मित इस 'टॉक शो' में सलमान खान, आमिर खान, अक्षय कुमार, सैफ अली खान, आलिया भट्ट, कृति सैनॉन, वरुण धवन, करण जौहर सहित बॉलीवुड की कुछ प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं। इसके साथ ही विश्व कप क्रिकेट चौंपियन टीम की सदस्य जेमिमा रोड्रिग्स और शेफाली वर्मा के साथ एक विशेष एपिसोड भी प्रसारित किया गया। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि अपने पहले सीजन में ही यह 'टॉक शो' काफी लोकप्रिय साबित हुआ और भारत के 93 प्रतिशत से ज्यादा पिनकोड तक पहुंच गया। प्राइम वीडियो, इंडिया के निदेशक निखिल मधोक ने कहा कि इस कार्यक्रम को मिली जबरदस्त लोकप्रियता 'टॉक शो' में आए नए नजरिए का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह प्राइम वीडियो की अब तक की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली 'अनस्क्रिप्टेड' सीरीज बन गयी है। बनिजय एशिया की वरिष्ठ अधिकारी मृणालिनी जैन ने कहा कि यह एक विशेष कार्यक्रम बन गया, क्योंकि इसमें वह सब कुछ पेश किया गया जिसकी आज दर्शक चाहत रखते हैं – कोई छेड़छाड़ नहीं और मजाकिया बातचीत। जैन ने कहा, जिस क्षण काजोल और ट्विंकल एक साथ आईं, हमें पता था कि उनकी जोड़ी कुछ खास लेकर आएगी, लेकिन जिस पैमाने पर चर्चा हुई और सांस्कृतिक बातचीत हुई, वह हमारी उम्मीदों से कहीं बढ़कर थी। प्राइम वीडियो के साथ साझेदारी ने उस ऊर्जा को और बढ़ा दिया – साथ मिलकर, हमने उनकी सबसे ज्यादा देखी जाने वाली अनस्क्रिप्टेड सीरीज पेश की, जो वाकई देखने लायक है और जिसे नजरअंदाज करना मुश्किल है।

लाल परी बन 52 की मलाइका ने रैंप पर लगाई आग, शिमरी रेड मिनी ड्रेस में अपने लुक से दी सबको मात

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा भले ही 52 साल की हो गई हों, लेकिन खूबसूरती और बोल्डनेस के मामले में आज भी वह 25 की एक्ट्रेसेस को टक्कर देती हैं। हाल ही में मलाइका को मुंबई में आयोजित एक इवेंट में हुस्न का कहर बरपाते देखा गया। इस इवेंट से मलाइका के हॉट लुक की तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि मलाइका अरोड़ा ने शो में स्टाइलिस्ट ऐशले रेबेलो द्वारा तैयार की गई शिमरी रेड मिनी ड्रेस पहनी, जो उनके फिगर पर बेहद खूबसूरती से फिट हो रही थी। ड्रेस में साइड में क्रिएटिव कट-आउट्स, बस्टियर स्टाइल का अपर सेक्शन और ऊपर से एक लंबा फ्लोई रेड रोब उनके पूरे लुक को रॉयल और ड्रामैटिक टच दे रहा है। रैंप पर उतरते ही पूरे कॉन्फिडेंस और चार्म से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। उनकी अदाएं इस बात का सबूत थीं कि उम्र उनके लिए सिर्फ एक संख्या मात्र है।

ज्यादा साइकिल चलाने वालों को होती है साइकिलिस्ट सिंड्रोम की समस्या, ऐसे पहचानें इसके लक्षण

साइक्लिस्ट सिंड्रोम एक क्रोनिक न्यूरोपैथी पेल्विक होता है, जोकि साइक्लिंग करने वालों में ज्यादा देखने को मिलता है। यह दर्द उन लोगों को ज्यादा होता है, जो अधिक साइकिल चलाते हैं। लेकिन इसमें कुछ अन्य कारण भी शामिल हो सकते हैं। ऐसे स्थिति होने पर जेनिटल में दर्द होता है और इस स्थिति को पहचानने में अक्सर लोग गलतियां कर देते हैं। जिसका कारण इसका ठीक से इलाज न मिल पाना भी है। ऐसे में व्यक्ति को अधिक दर्द का सामना लंबे समय तक करना पड़ सकता है। इसलिए साइक्लिस्ट सिंड्रोम को पहचानने में गलती नहीं करना चाहिए। इस सिंड्रोम को पुड़ेंडल न्यूरेल्जिया के नाम से भी जाना जाता है। जब पुड़ेंडल नर्व प्रभावित होती है, तब इस सिंड्रोम का खतरा अधिक देखने को मिलता है। इस स्थिति में जेनिटल सुन्न हो सकते हैं और 12 या 24 घंटे की साइक्लिंग के बाद दोबारा दर्द हो सकता है।

लक्षण

जेनिटल्स में दर्द होना या फिर उस जगह पर सुन्न हो जाना।

जब आप बैठे होते हैं या फिर साइक्लिंग कर रहे होते हैं, तब दर्द और अधिक बढ़ जाना।

पेल्विक एरिया में दर्द इधर से उधर मूव कर रहा हो।

शरीर के एक या फिर दोनों साइड में दर्द होना।

खुजली, जलन और सुन्नपन महसूस होना।

पेशाब करने में या बाउल मूवमेंट में परेशानी होना।

सेक्सुअल डिस्फंक्शन होना।

कारण

यह नाम देखकर ही आपको लग सकता है कि सिर्फ साइकिल चलाने वाले लोगों को यह स्थिति हो सकती है। लेकिन ऐसा नहीं है। ऐसा पेल्विक की मसल्स के कंप्रेशन की वजह से भी हो सकता है। जब पुड़ेंडव नर्व प्रभावित होती है, तो यह सिंड्रोम देखने को मिलता है। प्रेग्नेंसी, शरीर में एनाटोमिक असामान्यता, बच्चे को जन्म देना या फिर सर्जरी की वजह से होने वाले घावों की वजह से आपको यह स्थिति देखने को मिल सकती है।

रिस्क फैक्टर

बता दें कि जो लोग साइकिल चलाने के दौरान अपने पोस्चर का अच्छे से ध्यान नहीं रखते हैं, या फिर साइकिल का सेटअप अच्छे से नहीं करते हैं। उनको इस सिंड्रोम के होना का अधिक खतरा होता है। अगर आप भी साइक्लिंग करने से पहले स्ट्रेचिंग या वॉर्मअप नहीं करते हैं, तो आपको इस स्थिति का खतरा अधिक होता है। अगर आपकी कोर स्ट्रेंथ इतनी मजबूत नहीं है, तो भी आपको यह हो सकता है। जिन लोगों को पोषण और हाइड्रेशन की जरूरत पूरी नहीं होती है, तो इसका अधिक खतरा होता है।

ऐसे करें सिंड्रोम की पहचान

साइक्लिस्ट सिंड्रोम को पहचानने के लिए कोई खास टेस्ट नहीं बना है। लेकिन इसके कुछ लक्षणों को देखकर आप इसकी पहचान कर सकते हैं। डॉक्टर आपके दर्द के पैटर्न और इसके कारणों को समझकर इसकी स्थिति की पता लगा सकते हैं। बता दें कि न्यूरोपैथी या डत्प के इस्तेमाल से भी इस स्थिति की पहचान कर सकते हैं।

ऐसे करें मैनेज

इस दर्द को कम करने के लिए इलाज के कई ऑप्शन मौजूद हैं। फिजियोथेरेपी के अलावा डॉक्टर आपको कई दवाइयां दे सकते हैं। इस नर्व को ब्लॉक करने के बाद आपको राहत मिल सकती है। कई बार इसके इलाज के लिए सर्जिकल नर्व डी कंप्रेशन का भी इस्तेमाल किया जाता है। इसके साथ ही आपको साइकल को अच्छे से सेटअप करना चाहिए और एक बढ़िया पोस्चर के साथ साइकिल को चलाना चाहिए। वहीं साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग और वॉर्मअप करना चाहिए। इसके अलावा पौष्टिक और हाइड्रेशन की जरूरत को भी पूरा करते हैं और बीच–बीच में आराम करना भी काफी जरूरी होता है।

घर के सामने पपीता का पेड़ लगाना शुभ है या अशुभ? जानें वास्तु शास्त्र की राय

वास्तु शास्त्र में पेड़–पौधों का विशेष महत्व है। ऐसा माना जाता है कि सही स्थान और दिशा में पेड़–पौधे लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और परिवार में सुख–शांति बनी रहती है। लेकिन सभी पेड़–पौधे हर जगह नहीं लगाए जा सकते। खासतौर पर, पपीते के पेड़ को लेकर वास्तु शास्त्र में विशेष नियम बताए गए हैं।

क्या घर के सामने पपीता का पेड़ लगाना चाहिए?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, पपीता का पेड़ घर के सामने नहीं लगाना चाहिए। यह अशुभ माना जाता है। यदि पपीता का पेड़ अपने आप उग जाए, तो उसे शुरुआती अवस्था में ही उखाड़कर किसी और स्थान पर लगा देना चाहिए। अगर पेड़ बड़ा हो गया है और उसमें फल आना बंद हो गया है, तो उसे काटने के बजाय उसके तने में छेद करके उसमें हींग भरने की सलाह दी जाती है। ऐसा करने से घर पर आने वाली नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम हो जाता है।

पपीता का पेड़ क्यों नहीं लगाना चाहिए?

आर्थिक तंगी का कारण

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के सामने पपीता का पेड़ लगाना शुभ नहीं माना जाता। इसका नकारात्मक प्रभाव व्यक्ति की आर्थिक स्थिति पर पड़ सकता है। इस पेड़ के कारण घर के सदस्यों को धन कमाने में कठिनाई हो सकती है और अनावश्यक खर्चे बढ़ सकते हैं। इसके अलावा, ऐसे घर में हमेशा किसी न किसी वित्तीय समस्या का सामना करना पड़ता है, जो पूरे परिवार के लिए चिंता का कारण बन सकती है। इसलिए घर में सुख–समृद्धि बनाए रखने के लिए इस पेड़ को घर के सामने लगाने से बचना चाहिए।

सुख–शांति की कमी

पपीता का पेड़ घर के सामने या आंगन में लगाना परिवार के सदस्यों के बीच अशांति और तनाव का कारण बन सकता है। ऐसा कहा जाता है कि इस पेड़ के प्रभाव से घर में अक्सर विवाद और कलह की स्थिति उत्पन्न होती है। परिवार के सदस्यों के बीच आपसी समझ कम हो जाती है, और रिश्तों में दरार आ सकती है। इसके साथ ही, घर के वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा की कमी होती है, जिससे घर में हमेशा भारीपन और नकारात्मकता का अनुभव होता है।

पितरों का वास

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पपीता के पेड़ को पितरों से जोड़ा जाता है। यह माना जाता है कि पपीता के पेड़ में पितरों का निवास होता है, और इसे घर के सामने या आंगन में लगाने से पितरों का प्रकोप घर पर हो सकता है। इसका प्रभाव घर के सदस्यों की सेहत, करियर और मानसिक शांति पर पड़ता है। पितरों का असंतोष परिवार के लिए कई तरह की परेशानियां खड़ी कर सकता है, जैसे कि लगातार बीमारियां, असफलता, और मानसिक तनाव। इसलिए इसे घर से दूर लगाना उचित है।

पौधे से जुड़े अन्य विश्वास

यह भी माना जाता है कि जैसे पीपल का पेड़ घर में संतान के लिए कष्टकारी होता है, वैसे ही पपीते का पेड़ भी घर की उन्नति और सुख–शांति में बाधा डालता है। पपीते का पेड़ घर में नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न कर सकता है, जिससे परिवार के सदस्यों के जीवन में अड़चनें और रुकावटें आती हैं। साथ ही, घर में लगने वाले अन्य पौधों की तुलना में यह पेड़ ज्यादा समस्याएं खड़ी करता है।

पपीता के पेड़ को कहां लगाना चाहिए?

अगर आप पपीता लगाना चाहते हैं, तो इसे घर से दूर, गार्डन, खेत या ऐसी जगह लगाएं जहां इसका असर घर पर न हो। इसे घर के मुख्य द्वार, आंगन या छत पर लगाने से बचें। घर से बाहर लगाए गए पेड़ का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और यह वातावरण को शुद्ध करने में मदद करता है। इसके अलावा, इसे सही दिशा में लगाने से भी लाभ मिलता है। उदाहरण के लिए, इसे उत्तर या पूर्व दिशा में लगाने से इसके नकारात्मक प्रभाव कम हो सकते हैं।

पपीते के पेड़ से जुड़े उपाय

पहले से लगे पेड़ का समाधानः अगर पपीता का पेड़ पहले से घर के सामने मौजूद है और उसे हटाना संभव नहीं है, तो उसके तने में छेद करें और उसमें हींग भर दें। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम हो जाता है।

छोटे पेड़ों को समय रहते हटाएंः अगर पपीते का पौधा अभी छोटा है, तो उसे तुरंत उखाड़कर किसी अन्य स्थान पर लगा दें। इससे भविष्य में होने वाली परेशानियों से बचा जा सकता है।

सही दिशा और स्थान का ध्यान रखेंः अगर आप पपीता लगाना चाहते हैं, तो इसे घर से दूर और सही दिशा में लगाएं। ऐसा करने से इसका बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा।

पवित्र जल का छिड़कावः घर के आसपास लगे पेड़ों के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए नियमित रूप से पवित्र जल (गंगाजल) का छिड़काव करें।

घर में अन्य शुभ पौधे लगाएंः पपीते के पेड़ के प्रभाव को संतुलित करने के लिए तुलसी, अशोक, या केले का पौधा लगाएं। ये पौधे घर में सकारात्मक ऊर्जा लाते हैं।

इन उपायों को अपनाकर आप घर में सुख–शांति और समृद्धि बनाए रख सकते हैं। हमेशा ध्यान रखें कि वास्तु शास्त्र में बताए गए नियमों का पालन करने से जीवन में सुखद परिणाम मिलते हैं।

नोटः यह लेख वास्तु और ज्योतिष शास्त्र के विचारों पर आधारित है। अगर आप पपीता या अन्य पेड़–पौधे लगाने को लेकर असमंजस में हैं, तो किसी विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

इन 4 तारीखों में जन्मे लोग, जब चाहें तब पा सकते हैं अपार धन और सफलता!

अंक ज्योतिष, जिसे न्यूमेरोलॉजी भी कहा जाता है, एक अद्भुत और रोचक विज्ञान है। यह जन्म तारीख और नाम की संख्याओं के माध्यम से हमारे जीवन के कई पहलुओं को उजागर करता है। अंक ज्योतिष का मानना है कि हर संख्या का एक विशेष अर्थ और प्रभाव होता है, जो हमारे व्यक्तित्व, गुण, दोष, और भविष्य को प्रभावित करता है। इस विज्ञान के अनुसार, जन्म तिथि, नाम और अन्य संख्याएं हमारे जीवन के कई राज खोल सकती हैं। आज हम आपको एक विशेष मूलांक के बारे में बताने जा रहे हैं, जो चार तारीखों में जन्मे लोगों से जुड़ा है। यह मूलांक व्यक्तियों को जब चाहें तब अपार धन और सफलता प्राप्त करने की क्षमता देता है। आइए जानते हैं कौन सी तारीखों में जन्मे लोग होते हैं इतने खास?

मूलांक 4: विशेषताएं और गुण

जिन लोगों का जन्म 4, 13, 22 या 31 तारीख को हुआ होता है, उनका मूलांक 4 होता है। ये लोग विशेष गुणों और ताकत से भरे होते हैं, जो उन्हें अपनी जिंदगी में अपार सफलता दिलाने में मदद करते हैं। अंक ज्योतिष के अनुसार, मूलांक 4 के लोगों का स्वामी ग्रह राहु होता है, जो उनके स्वभाव में रहस्यमय और जिज्ञासु प्रवृत्तियां पैदा करता है। ये लोग अपनी भावनाओं को आसानी से व्यक्त नहीं करते, लेकिन अपनी कार्यशैली और निर्णयों से दूसरों पर गहरी छाप छोड़ते हैं।

स्वतंत्रता और आत्मविश्वास की शक्ति

मूलांक 4 के लोग स्वतंत्रता को अत्यधिक महत्व देते हैं और किसी के दबाव में काम करना पसंद नहीं करते। इनका आत्मविश्वास बहुत मजबूत होता है, और वे अपने फैसलों पर अडिग रहते हैं। ये लोग हमेशा अपनी राय को सही मानते हैं और दूसरों को भी अपने फैसले पर विश्वास दिलाने में सक्षम होते हैं। यही गुण उन्हें सफलता की ओर अग्रसर करता है।

जिद्दी और अवसरवादी प्रवृत्तियां

मूलांक 4 के लोग जिद्दी होते हैं और जब अवसर मिलता है, तो वे उसे पूरी तरह से इस्तेमाल करने के लिए तत्पर रहते हैं। इनकी यह विशेषता उन्हें किसी भी परिस्थिति में सफल बनने के लिए प्रेरित करती है। ये लोग अवसरवादी होते हैं और अपनी मेहनत के साथ–साथ अपनी बुद्धि का भी इस्तेमाल करते हैं। इनके लिए रास्ते में कोई भी रुकावट देर तक नहीं टिक सकती।

दूसरों से काम निकलवाने में माहिर

मूलांक 4 के लोग अत्यधिक चतुर होते हैं और एक अच्छे कूटनीतिज्ञ के रूप में काम करते हैं। इनके पास दूसरों से काम निकलवाने की खास कला होती है। ये लोग अपनी बुद्धिमानी से परिस्थितियों का लाभ उठाते हैं और हमेशा अपने काम को सही दिशा में ले जाते हैं। इस कारण, इनका जीवन हमेशा प्रगति की दिशा में बढ़ता रहता है।

सक्सेस और धनः जब चाहें, तब पा सकते हैं

मूलांक 4 के लोग मेहनत और कड़ी प्रयासों से अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में विश्वास रखते हैं। ये लोग अनुशासित होते हैं और अपने कामों को समय पर पूरा करते हैं। इनकी यही मेहनत और अनुशासन उन्हें सफलता दिलाता है। इन लोगों के पास जब भी समय आता है, वे आसानी से धन अर्जित कर सकते हैं और अपनी इच्छाओं को पूरा कर सकते हैं।

खुले हाथ से खर्च करने की प्रवृत्ति

मूलांक 4 के लोग स्वभाव से बहुत बिंदास होते हैं और जीवन का आनंद लेने में विश्वास रखते हैं। ये लोग अपने पास के धन का खुले हाथ से उपयोग करते हैं। कंजूसी इनमें नहीं होती और इन्हें खर्च करना पसंद होता है। यही कारण है कि इन लोगों के पास अक्सर अपार संपत्ति होती है और वे सामाजिक रूप से सम्मानित होते हैं।

मूलांक 4 के लोग होते हैं अच्छे इन्फ्लुएंसर

मूलांक 4 के लोग समाज में अपनी छाप छोड़ने में सक्षम होते हैं। खासतौर पर महिलाओं में यह गुण अधिक होते हैं। ये लोग अच्छे सोशलाइट और इन्फ्लुएंसर होते हैं, जो समाज में अपना प्रभाव छोड़ते हैं और अपने कार्यों से दूसरों को प्रेरित करते हैं। जिन लोगों का जन्म 4, 13, 22, या 31 तारीख को हुआ है, वे अपनी मेहनत, चतुराई, और आत्मविश्वास के बल पर जब चाहें, तब सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इनके पास अपार धन अर्जित करने की शक्ति भी होती है। यदि आप भी इस तारीख में जन्मे हैं, तो ये गुण आपको अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करेंगे।

दोधारी तलवार है सोशल मीडिया, रिश्तों को बनाने और बिगाड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ता

हो सकता है कि आप हर सेकंड खुद को सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करते हुए पाएं। इसमें कोई शक नहीं है कि कोविड लॉकडाउन के बाद, सोशल मीडिया हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी का अहम हिस्सा बन गया है। लेकिन क्या हमें वाकई सोशल मीडिया को अपनी ज़िंदगी में उतनी जगह देनी चाहिए जितनी हम अभी देते हैं? कई मायनों में, सोशल मीडिया उपयोगी है। यह हमें दोस्तों और परिवार के साथ जुड़े रहने में मदद करता है, मनोरंजन प्रदान करता है और हमें ताज़ा खबरों से अपडेट रखता है। हालाँकि, जैसा कि कहा जाता है, शकिसी भी चीज़ की अति बुरी होती हैश, एक बार जब हम स्क्रॉल करना शुरू कर देते हैं, तो अक्सर सीमाएं तय करना भूल जाते हैं। हम अपने फ़ोन की स्क्रीन को घूरते हुए घंटों बिता देते हैं और हमें समय का पता ही नहीं चलता है। इससे भी ज़्यादा चिंता की बात यह है कि सोशल मीडिया हमारे रिश्तों को प्रभावित कर रहा है। हम अक्सर अपने आस–पास के लोगों की

तुलना में अपने फ़ोन पर ज़्यादा ध्यान देते हैं। यहां तक कि हम जब अपने करीबियों या दोस्तों के साथ होते हैं, तब भी विचलित रहते हैं, लगातार अपडेट या नोटिफ़िकेशन चेक करते रहते हैं। करीबियों और दोस्तों से अच्छी बातचीत करने और पल का आनंद लेने के बजाय, हम ऑनलाइन दुनिया में खोए रहते हैं। इस वजह से रिश्तों की गुणवत्ता खराब हो रही है। जब कोई व्यक्ति साथ में समय बिताने की बजाय सोशल मीडिया पर ज़्यादा ध्यान देता है, तो पार्टनर खुद को उपेक्षित महसूस करते हैं। कल्पना करें कि आप किसी के साथ शारीरिक रूप से हैं, लेकिन पूरी तरह से अकेला महसूस कर रहे हैं क्योंकि उनका दिमाग कहीं और है, स्क्रीन से चिपका हुआ है। हमें खुद से पूछना चाहिएरू क्या सोशल मीडिया वाकई उन लोगों के साथ हमारे वास्तविक संबंधों से ज़्यादा महत्वपूर्ण है जिनकी हम परवाह करते हैं?

रिश्तों पर सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभाव

जुड़े रहनाः सोशल मीडिया लोगों को दूर रहने पर भी संपर्क में रहने में मदद करता है। इससे लंबी दूरी के रिश्तों को संभालना आसान हो गया है। कपल सोशल मीडिया की मदद से एक–दूसरे को अपडेट साझा कर सकते हैं, वीडियो कॉल कर सकते हैं और तुरंत संदेश भेज सकते हैं।

खास पलों को साझा करनाः लोग अपने खास पलों, जैसे जन्मदिन, सालगिरह या व्यक्तिगत उपलब्धियों को दोस्तों और परिवार के साथ साझा कर सकते हैं। इससे पार्टनर एक–दूसरे की रोज़मर्रा की ज़िंदगी में शामिल महसूस कर सकते हैं।

प्यार और स्नेह व्यक्त करनाः सोशल मीडिया सार्वजनिक रूप से प्यार और प्रशंसा दिखाने का एक स्थान हो सकता है, जैसे साथी के जन्मदिन या सालगिरह पर दिल से संदेश पोस्ट करना या कुछ और। इस तरह के छोटे–छोटे इशारे लोगों को खास और मूल्यवान महसूस करा सकते हैं।

संक्षिप्त

एसबीआई की कॉरपोरेट ऋण वृद्धि दो अंक में रहेगी : चेयरमैन सी एस शेट्टी

आर्थिक गतिविधियों में सुधार के साथ भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को कॉरपोरेट ऋण की मांग में तेजी आने की उम्मीद है। एसबीआई के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने कहा है कि बैंक को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष की शेष दो तिमाहियों में कॉरपोरेट या कंपनियों को कर्ज के खंड में दो अंकीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि जहां तक घ्घ्कॉरपोरेटऋण के लिए पाइपलाइन की बात है, उन्होंने कहा, ''बैंक के पास एक मजबूत पाइपलाइन है। हमारे पास लगभग सात लाख करोड़ रुपये के मंजूर ऋण हैं, जिसमें बिना इस्तेमाल की गई कार्यशील पूंजी सीमा और मियादी ऋण शामिल हैं जो अभी वितरण की प्रक्रिया में हैं।'' शेट्टी ने पीटीआई–के साथ साक्षात्कार में कहा, ''इसके अलावा, इसमें कई परियोजना कर्ज भी शामिल हैं जिन पर अभी बातचीत चल रही है।'' उन्होंने कहा कि इसलिए कॉरपोरेट कर्ज जो पिछले कुछ समय से पिछड़ रहा था, दूसरी तिमाही में इसमें 7.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। शेष दो तिमाहियों में हम कॉरपोरेट ऋण में निचले दो अंक की वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। देश के सबसे बड़े ऋणदाता के चेयरमैन ने कहा कि आर्थिक गतिविधियों में सुधार से कार्यशील पूंजी का इस्तेमाल बढ़ रहा है, जो हर तिमाही के साथ और मजबूत होता जा रहा है। मियादी ऋण के बारे में उन्होंने कहा, जो पहले से मंजूर हैं और वितरण की प्रक्रिया में है अब उन्हें लिया जा रहा है। इसके अलावा तीसरी श्रेणी वह है जहां परियोजनाओं पर बातचीत चल रही है। एसबीआई चेयरमैन ने यह भी कहा कि बैंक को ऋण वृद्धि बढ़ाने और पांच–छह साल में 15 प्रतिशत का पूंजी पर्याप्तता अनुपात बनाए रखने के लिए इक्विटी पूंजी की शायद जरूरत न पड़े। उन्होंने कहा, ''इस क्यूआईपी के आने से पहले भी, ऋण वृद्धि को वित्तपोषित करने की हमारी क्षमता कभी कोई समस्या नहीं रही।

रुपये ने शुरुआती कारोबार में यूएस डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में किया कारोबार

रुपये ने सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में कारोबार किया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निकासी से सकारात्मक घरेलू शेयर बाजारों से मिल रहा समर्थन बेअसर हो गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि आयातकों की ओर से डॉलर की भारी मांग ने स्थानीय मुद्रा पर लगातार दबाव बनाया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 89.45 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह और फिसलकर 89.46 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.45 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.44 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी ने नए सर्वकालिक उच्च स्तर को छुआ। सेंसेक्स 315.87 अंक या 0.37 प्रतिशत चढ़कर 86,022.54 अंक पर जबकि निफ्टी 82.55 अंक या 0.32 प्रतिशत की बढ़त के साथ 26,287.20 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ 63.35 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3,795.72 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

गोदरेज प्रश्नपटह्नज ने 4,150 करोड़ रुपये की आवासीय परियोजना के लिए हैदराबाद में खरीदी पांच एकड़ जमीन

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने नीलामी प्रक्रिया के जरिये हैदराबाद में पांच एकड़ जमीन खरीदी है। कंपनी की योजना इस पर 4,150 करोड़ रुपये की आवासीय परियोजना विकसित करने की है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) द्वारा कोकापेट के नियोपोलिस में लगभग पांच एकड़ भूमि के लिए आयोजित ई–नीलामी में हिस्सा लिया। एमएसटीसी लिमिटेड के ई–नीलामी मंच के

अनुसार गोदरेज प्रॉपर्टीज सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी। प्राधिकरण निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने के बाद आवंटन पत्र जारी करेगा। कंपनी ने कहा, '' इस भूमि पर प्रीमियम आवासीय परियोजना विकिसित की जाएगी जिसका बिक्री योग्य क्षेत्रफल लगभग 25 लाख वर्ग फुट होगा। इससे करीब 4,150 करोड़ रुपये की राजस्व हासिल होने की संभावना है।'' गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी गौरव पांडे ने कहा, '' हैदराबाद में मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास और गुणवत्तापूर्ण आवास की निरंतर मांग के साथ मजबूत प्रदर्शन जारी है। हम रणनीतिक अधिग्रहण आदि के माध्यम से इस उच्च–संभावना वाले बाजार में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है। इसकी दिल्ली–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), पुणे, बेंगलुरु और हैदराबाद में अच्छी उपस्थिति है।

क्या विराट कोहली टेस्ट में करेंगे वापसी ? सवाल का खुद दिया जवाब, BCCI की भी आई प्रतिक्रिया

रांची। भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट में वापसी को लेकर चली आ रही अटकलों पर अब खुद कोहली ने बड़ा बयान दे दिया है। रांची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार शतक जड़ने के बाद कोहली ने साफ शब्दों में कह दिया कि वह अब सिर्फ वनडे क्रिकेट पर ध्यान देंगे और टेस्ट क्रिकेट में वापसी की कोई योजना नहीं है।

कोहली की स्पष्ट प्रतिक्रिया

पहले वनडे मैच के बाद पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में जब कोहली से टेस्ट में वापसी को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट जवाब दिया। कमेंटेटर हर्षा भोगले ने पूछा– आप एक फॉर्मेट में खेलते हैं और क्या आगे भी ऐसा ही रहने वाला है? इस पर कोहली ने कहा– हां और यही आगे भी रहने वाला है। मैं सिर्फ एक फॉर्मेट खेल रहा हूं।'

37 वर्षीय कोहली ने आगे कहा कि इतने लंबे करियर के बाद उनके लिए सबसे जरूरी है कि वे वही खेलें जिसमें उनका शरीर और दिमाग पूरी तरह तैयार हो। प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने के बाद कोहली ने कहा, 300 से ज्यादा मैच खेलने के बाद आप समझ जाते हैं कि कब रिफ्लेक्सेस और शारीरिक क्षमता सही है। जब तक मैं फिट और उत्साहित हूं, वनडे क्रिकेट का आनंद लेता रहूंगा।

बीसीसीआइ की प्रतिक्रिया

हाल ही में मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि बीसीसीआई विराट कोहली और रोहित शर्मा से टेस्ट रिटायरमेंट वापस लेने की बातचीत कर रहा है, खासकर भारत की लगातार दो घरेलू टेस्ट सीरीज हार के बाद, लेकिन बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इन रिपोर्ट्स को खारिज करते हुए कहा, श्विराट कोहली को लेकर जो बात फैलाई जा रही है वह सिर्फ अफवाह है। इस बारे में उनसे कोई बातचीत नहीं हुई है। ऐसी खबरों पर ध्यान न दें।

रांची में कोहली ने जड़ा 52वां वनडे शतक

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में कोहली ने शानदार 135 रन (120 गेंद) की पारी खेली, जिसमें 11 चौके और सात छक्के शामिल थे। उनकी इस पारी के दम पर भारत ने मैच 17 रन से जीता और सीरीज में 1–0 की बढ़त बनाई। इस शतक के साथ कोहली ने एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। उन्होंने किसी भी फॉर्मेट में सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय शतकों का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के टेस्ट में 51 शतकों को पीछे छोड़ा और 83वां अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा किया।

केविन पीटरसन का बयान

टेस्ट वापसी की अफवाहों पर पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर केविन पीटरसन ने कहा कि अगर विराट और रोहित टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं तो यह क्रिकेट के भविष्य के लिए अच्छा होगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, अगर विराट और रोहित लौटना चाहते हैं, तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए। टेस्ट क्रिकेट के लिए उनके जैसे खिलाड़ियों का खेलना जरूरी है।

आगे क्या? 2027 वर्ल्ड कप है लक्ष्य

कोहली और रोहित दोनों अब सिर्फ वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं और टीम मैनेजमेंट 2027 वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए उनके अनुभव का इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है। हालांकि यह भी सवाल है कि क्या इतने लंबे समय तक वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिट, फॉर्म में और उपलब्ध रहेंगे।

दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेटर ने गर्लफ्रैंड से की सगाई, घुटने के बल बैठकर किया प्रपोज

केप टाउन। दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम की चर्चित ऑलराउंडर क्लो ट्रायोन ने अपनी पार्टनर मिशेल नटिवेल के साथ सगाई कर ली है। लंबे समय से रिलेशनशिप में रही यह जोड़ी आखिरकार आधिकारिक रूप से नई शुरुआत करने जा रही है। क्लो ने बेहद रोमांटिक अंदाज में घुटने के बल बैठकर मिशेल को प्रपोज किया। सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं और फैन्स इस कपल को ढेरों शुभकामनाएं दे रहे हैं।

सगाई की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल

29 नवंबर को हुए इस खास मौके पर क्लो ट्रायोन ने तस्वीरें पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा, श्हम दोनों जिंदगी भर के लिए साथ। तस्वीरों में दोनों बेहद खुश और प्यार में डूबी नजर आ रही हैं। ट्रायोन और मिशेल काफी समय से एक–दूसरे को डेट कर रही थीं और अब यह ऑफिशियल घोषणा सेलेब्रेशन मोड में बदल चुकी है।

क्लो ट्रायोन का क्रिकेट करियर

31 वर्षीय क्लो ट्रायोन दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम का एक बेहद अहम हिस्सा रही हैं। वह हाल ही में खेले गए महिला वनडे विश्व कप टूर्नामेंट में शामिल थीं, जहां दक्षिण अफ्रीका फाइनल तक पहुंचा, लेकिन भारत ने 52 रनों के अंतर से खिताब अपने नाम किया। उन्होंने अब तक दक्षिण अफ्रीका के लिए तीन टेस्ट में 119 रन बनाए हैं और चार विकेट झटके हैं। वहीं, 124 वनडे मैचों में क्लो के नाम 26.65 की औसत से 2292 रन हैं। इनमें 14 अर्धशतक शामिल हैं। क्लो ने वनडे में 62 विकेट भी लिए हैं। वहीं, टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके नाम 113 मैचों में 1283 रन हैं। इस दौरान उन्होंने 39 विकेट भी झटके हैं। उनकी ऑलराउंड क्षमता उन्हें विश्व क्रिकेट की प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल करती है।

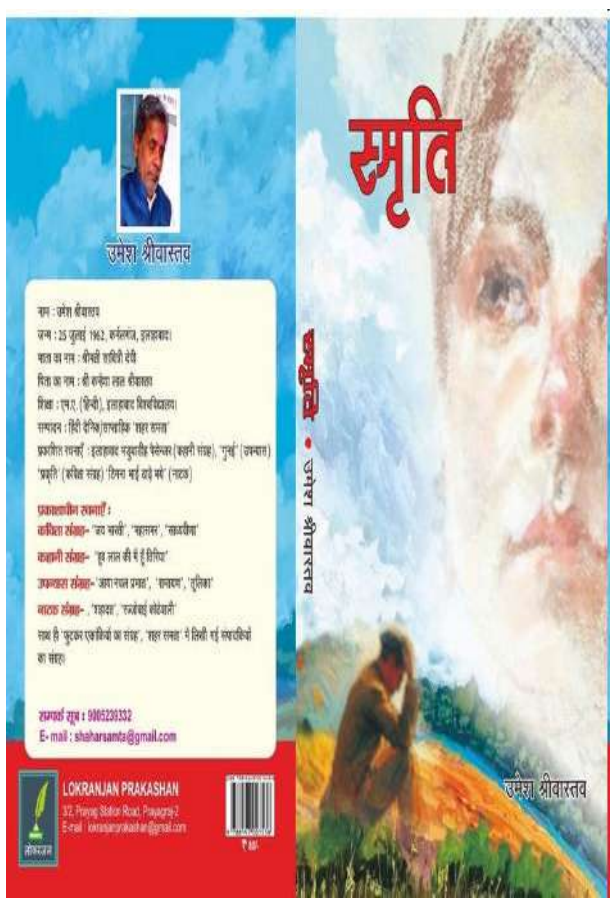

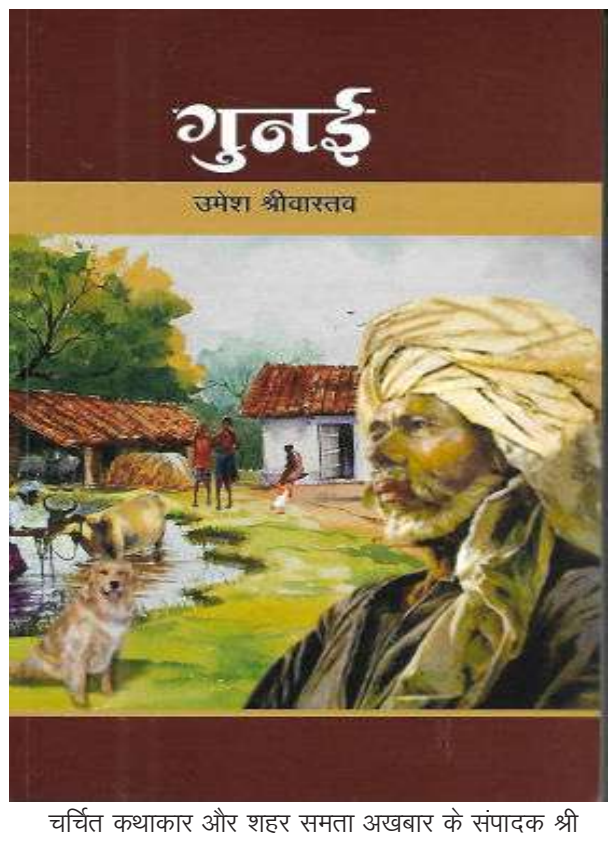

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

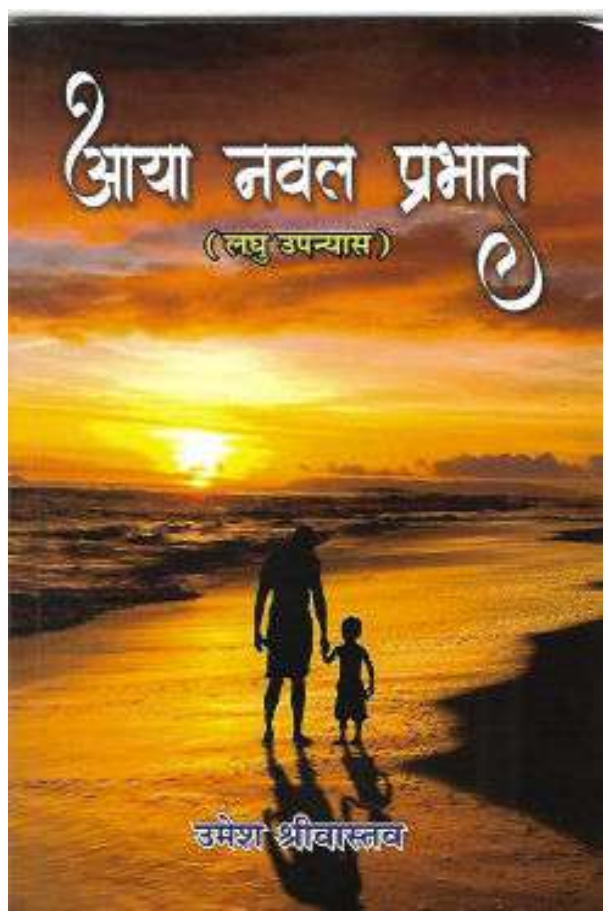

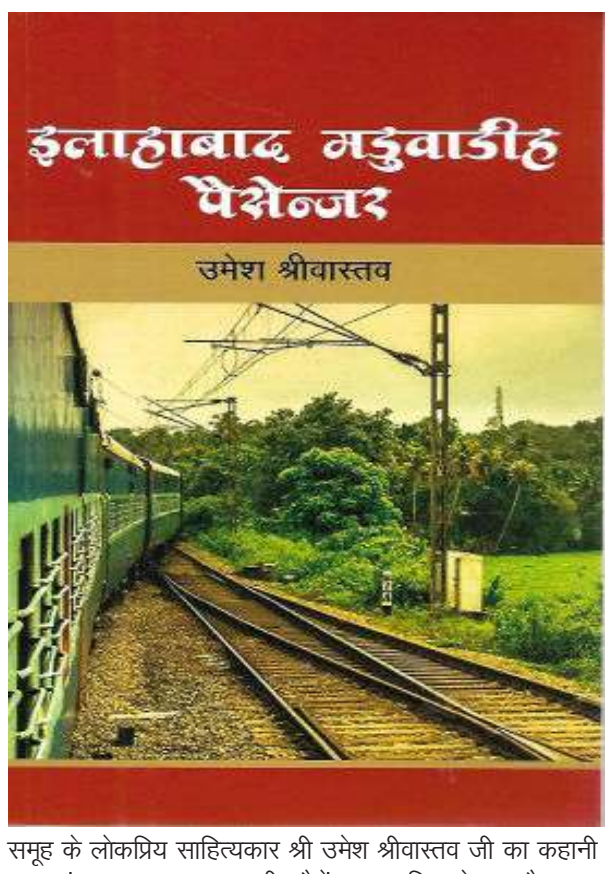

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

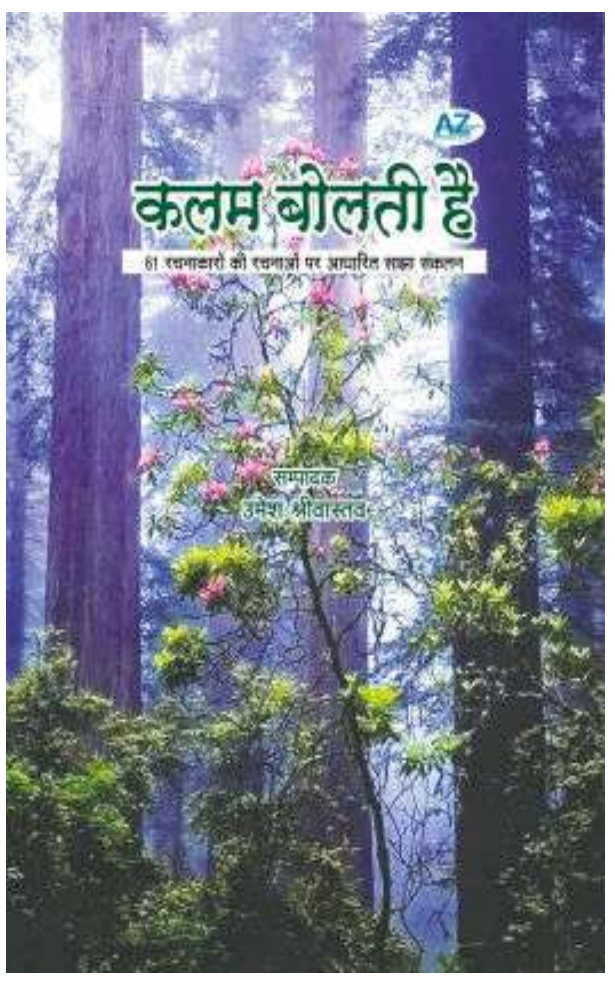

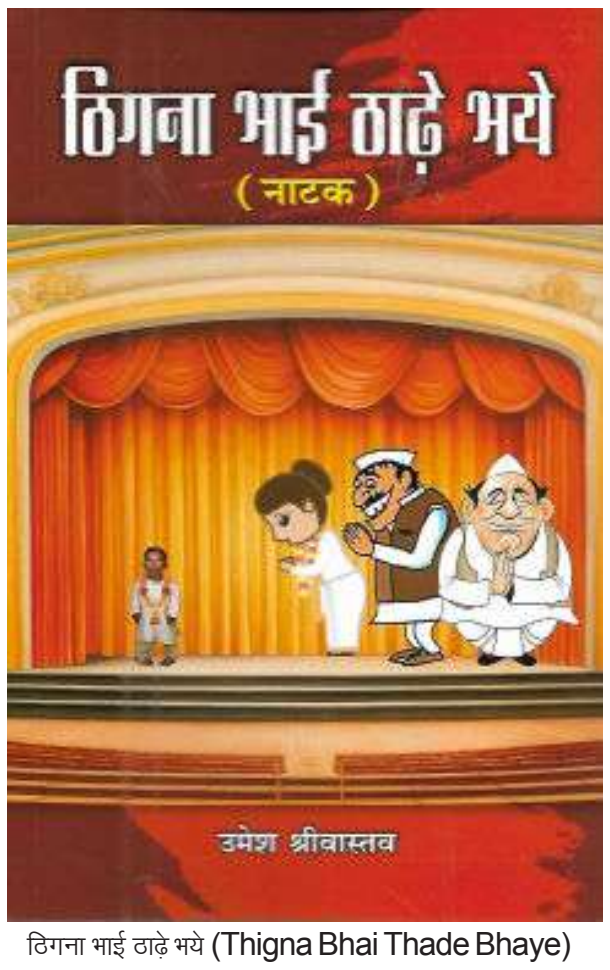

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

भारत में आते ही पुतिन हो जाते गिरफ्तार? मोदी ने दोस्त के लिए नया रास्ता ही खुलवा दिया!

भारत और रूस की दोस्ती कैसी है यह बताने की जरूरत नहीं है। लेकिन जब रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन भारत आ रहे हैं तो सबसे बड़ा सवाल अब यह उठ रहा है कि क्या भारत आने पर उनकी गिरफ्तारी हो जाएगी? क्योंकि उनके खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया गया है और यह अरेस्ट वारंट आज से नहीं 2023 से जारी किया गया और युद्ध के लिए उन्हें अपराधी माना गया इसलिए अरेस्ट वारंट जारी किया गया। तो इंटरनेशनल क्रिमिनल्स कोर्ट ने यह अरेस्ट वारंट जारी किया जिसके बाद से ही चर्चा तेज हो चली है कि क्या भारत आने पर उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है? इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने पुतिन के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया है। 125 देश उसके मेंबर हैं। लेकिन भारत, अमेरिका और चीन जैसे मजबूत और

शक्तिशाली देश इसके मेंबर नहीं। ये लगातार देखने को मिला है कि जब से यूक्रेन के साथ युद्ध के बाद से राष्ट्रपति पुतिन ना ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेते हैं ना जी से या जी8 में शामिल होते हैं। वो इसीलिए कि उन्हें डर है कि जैसे ही उन देशों की यात्रा पर जाएंगे जो इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट का मेंबर है अरेस्ट कर लिए जाएंगे। 4 से 5 दिसंबर को पुतिन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। तेल पर डील करेंगे। डिफेंस करार करेंगे और कई रणनीतिक समझौते भी कर सकते हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि वो भारत क्यों आ रहे हैं? सबसे बड़ा सवाल तो यह उठ रहा कि आखिर पुतिन भारत कैसे आएंगे? किस रूट से आएंगे? भारत कानूनी रूप से बाध्य नहीं है कि वह आईसीसी के वारंट के आधार पर पुतिन को गिरफ्तार करें। लेकिन यह पहली बार नहीं है। 2015 में सूडान के तत्कालीन राष्ट्रपति उमर अल बशीर के खिलाफ भी आईसीसी वारंट था। फिर भी वह भारत आए और भारत ने उन्हें किसी कानूनी समस्या का सामना नहीं करने दिया। तो 4 से 5 दिसंबर की यात्रा पुतिन की पूरी तरह से सुरक्षित है। इसमें भी एक पेंच है। दरअसल, कई देशों के हवाई क्षेत्र यानी एयर स्पेस में प्रवेश करते ही वेसी के अधिकार में आ जाते हैं। इसलिए रूस को बहुत ध्यान से रूट चुनना होगा। अभी तक डिफेंस और एिएशन सूत्रों के आधार पर छह संभावित रूट सामने आए हैं। पहला रूस, तेहरान, भारत यानी ईरान वाला रूट, दूसरा है रूस बाकू यानी अज़रबैजान से भारत आने वाला रास्ता। तीसरा है रूस काबुल से भारत आना। चौथा है रूस से डायरेक्ट भारत आना। बता दें कुछ समय पहले पुतिन ने एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लिया था। चौंकाने वाली बात यह थी कि उन्होंने यूरोप के ऊपर से 1: भी एयर स्पेस इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने एक असामान्य लंबा और अत्यधिक घुमावदार रास्ता चुना। क्योंकि यूरोप के लगभग सभी देश आईसीसी के सदस्य हैं। उनके एयर स्पेस में प्रवेश करते ही कानूनी रूप से अरेस्ट एक्शन शुरू किया जा सकता है। रूस ने यह रिस्क नहीं लिया और एक ऐसी एयर ट्रेजरी बनाई जो आईसीसी देशों को पूरी तरह से बायपास करती हैं। भारत सुरक्षित मेजबान है। पुतिन की यात्रा तय है और अब पूरा फोकस सिर्फ एक चीज पर है पुतिन का रूल। तेहरान से या बाकू से या ताशकंदन से या काबुल से या फिर सीधे भारत की उड़ान जो भी रूट चुना जाएगा यह भारत रूस पार्टनरशिप की अहमियत को और मजबूत करेगा और 4 से 5 दिसंबर की तस्वीरें मोदी और पुतिन एक साथ अमेरिका यूरोप चीन सभी की नजरें होंगी।

संक्षिप्त

मेरी 'पार्टनर' आधी भारतीय है, बेटे का मध्य नाम शेखर रखा है : एलन मस्क

'स्पेसएक्स' के सीईओ एलन मस्क ने कहा है कि उनकी साथी शिवोन जिलिस ''आधी भारतीय'' हैं और उन्होंने अपने एक बच्चे का मध्य नाम नोबेल पुरस्कार विजेता सुब्रमण्यन चंद्रशेखर के नाम पर शेखर रखा है। जिलिस और मस्क के चार बच्चे हैं – जुड़वां बच्चे स्ट्राइडर और एज्योर, एक बेटी

अर्काडिया और बेटा सेल्डन लाइकर्गस। ज़िलिस मस्क की एक कंपनी न्यूरालिंक में 'ऑपरेशन्स और स्पेशल प्रोजेक्ट्स' में निदेशक हैं। मस्क ने जिरोधा के सह संस्थापक निखिल कामथ के कार्यक्रम 'पीपुल बाय डब्ल्यूटीएफ' में साक्षात्कार में कहा, ''जिलिस से मेरा एक बेटा है, उसका मध्य नाम चंद्रशेखर के नाम पर शेखर रखा गया है।'' एस. चंद्रशेखर एक प्रसिद्ध भारतीय–अमेरिकी खगोल भौतिकीविद् थे, जिन्हें ''तारों की संरचना और विकास के लिए महत्वपूर्ण भौतिक प्रक्रियाओं पर उनके सैद्धांतिक अध्ययनों'' को लेकर 1983 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था। यह पूछे जाने पर कि क्या जिलिस भारत में रही हैं, इस पर मस्क ने कहा जब वह छोटी थीं तभी उन्हें गोद ले लिया गया था और वह कनाडा में पली–बढ़ी हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि उनके पिता विश्वविद्यालय में पढ़ने आए थे, या कुछ ऐसा ही रहा होगा। मुझे इसकी पूरी जानकारी नहीं है। उन्हें (जिलिस) गोद लिया गया है।

पुलिस ने जन्मदिन पार्टी में गोलीबारी करने वाले संदिग्ध की तलाश तेज की

अमेरिका में कैलिफोर्निया राज्य के अधिकारियों ने स्टॉकटन में एक बच्चे की जन्मदिन की पार्टी के दौरान हुई सामूहिक गोलीबारी में तीन बच्चों और एक वयस्क की हत्या के बाद संदिग्ध की तलाश के लिए जनता से उसके बारे में कोई भी जानकारी देने की अपील की है। सैन जॉक्विन काउंटी शेरिफ के कार्यालय की प्रवक्ता हीदर ब्रेंट ने कहा, ''यह दिल दहला देने वाली घटना है।'' उन्होंने बताया कि जांचकर्ताओं का मानना है कि यह एक ''लक्षित घटना'' थी जो एक बैंक्वेट हॉल में हुई, जहां

शनिवार रात 100 से अधिक लोग इकट्ठा हुए थे। ब्रेंट ने कहा कि मृतकों की उम्र आठ, नौ, 14 और 21 वर्ष थी। 11 लोग घायल हुए हैं। रविवार दोपहर तक कोई भी गिरफ्तारी नहीं हुई थी। ब्रेंट ने अपील की, ''अगर आपके पास कोई फुटेज है, आप स्थानीय व्यवसायी हैं, आसपास रहते हैं या शायद आपने कोई अफवाह सुनी हो तो कृपया शेरिफ कार्यालय से संपर्क करें।'' उन्होंने कहा कि वह घटना के पीछे के संभावित मकसद या संदिग्ध की जानकारी साझा नहीं कर सकतीं क्योंकि इससे जांच प्रभावित हो सकती है। यह गोलीबारी शनिवार शाम करीब छह बजे हॉल के अंदर हुई। स्टॉकटन 3,20,000 की आबादी वाला शहर है, जो सैक्रामेंटो से लगभग 65 किलोमीटर दूर दक्षिण में स्थित है। ब्रेंट ने पत्रकारों से कहा, ''यह एक छोटे बच्चे की जन्मदिन पार्टी थी और यह घटना होना वास्तव में बेहद दुखद है।'' डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी रॉन फ्रेटास ने हमलावर से आग्रह किया कि वह ''तुरंत आत्मसमर्पण कर दे।

इमरान खान की पार्टी पीटीआई के नेता इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के बाहर उनकी रिहाई के लिए प्रदर्शन करेंगे

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के सभी सांसद इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के बाहर मंगलवार को बड़े पैमाने पर विरोध–प्रदर्शन करेंगे और अदियाला जेल से अपने नेता की रिहाई की मांग करेंगे। पार्टी के एक शीर्ष नेता ने रविवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने घोषणा की कि इस्लामाबाद

उच्च न्यायालय (आईएचसी) के बाहर विरोध–प्रदर्शन के बाद पार्टी नेता इमरान से मुलाकात करने के लिए रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली जेल जाएंगे। इमरान (73) 2023 से कई मामलों के सिलसिले में अदियाला जेल में बंद हैं। उन्हें पहली बार उसी साल अगस्त में गिरफ्तार किया गया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

फांसी, 21 साल कैद और अब 5 साल जेल, शेख हसीना पर बांग्लादेश की कोर्ट ने लगाई सजा की हैट्रिक

ढाका की एक अदालत ने सोमवार को बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भ्रष्टाचार के आरोप में 5 साल कैद की सजा सुनाई। अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री की छोटी बहन शेख रेहाना को भी इसी मामले में 7 साल और रेहाना की बेटी, ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीकी को 2 साल कैद की सजा सुनाई। ढाका के विशेष न्यायाधीश – 4 रबीउल आलम ने प्लॉट धोखाधड़ी के एक मामले में हसीना को 5 साल कैद की सजा सुनाई। बांग्लादेश के भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) ने पिछले जनवरी में शेख हसीना और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ ढाका के पुर्बाचल इलाके में कथित तौर पर अवैध रूप से सरकारी भूखंड आवंटित करने के लिए छह अलग–अलग मामले दर्ज किए थे। इससे पहले, ढाका की एक अदालत ने गुरुवार को बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भ्रष्टाचार के आरोप में 21 साल कैद की सजा सुनाई थी। ढाका के विशेष

न्यायाधीश – 5 मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने शेख हसीना को तीन प्लॉट धोखाधड़ी मामलों में 7–7 साल की सजा (21 साल की जेल) सुनाई। बांग्लादेश के भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) ने पिछले जनवरी में शेख हसीना और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ ढाका के पुरबाचल इलाके में सरकारी भूखंडों के कथित अवैध आवंटन के लिए छह अलग–अलग मामले दर्ज किए थे। बाकी तीन मामलों में फैसला 1 दिसंबर को सुनाया जाएगा। अदालत ने शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय को पाँच साल की जेल और एक लाख टका के जुर्माने की सजा सुनाई है। अदालत ने शेख हसीना की बेटी साइमा वाजेद पुतुल को भी पाँच साल की जेल की सजा सुनाई है। बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने शेख हसीना को जुलाई 2024 के सरकार विरोधी प्रदर्शनों को दबाने के उनके प्रयासों के लिए मानवता के विरुद्ध अपराधों का दोषी पाते हुए पहले ही मौत की सजा सुनाई है। शेख हसीना और उनके परिवार के पास इन मामलों में कोई वकील नहीं था क्योंकि वे फरार थे। हालाँकि, उन्होंने विभिन्न भाषणों और बयानों में किसी भी भ्रष्टाचार के आरोपों में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है।इस बीच, बुधवार को विदेश मंत्री ने कहा कि भारत सरकार वर्तमान में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के उस अनुरोध की जाँच कर रही है जिसमें उसकी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की गई है, जिन्हें पिछले साल जुलाई–अगस्त में हुई अशांति के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराधों से संबंधित एक मामले में देश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) द्वारा मौत की सजा सुनाई गई थी। एक साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि नई दिल्ली को इस मामले पर ढाका से औपचारिक रूप से पत्र प्राप्त हुआ है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत अपनी ष्वल रही न्यायिक और आंतरिक कानूनी प्रक्रियाओंष के तहत बांग्लादेश की स्थिरता और उसके लोगों की भलाई के लिए प्रतिबद्ध है।

ऑस्ट्रियन इंफ्लूएंसर की हत्या का खुला राज, एक्स ने क्यों सूटकेस में ठूंसकर जंगल में दफनाया, कबूल किया जुर्म

एक हृदय विदारक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। एक ऐसी घटना जिसने हज़ारों लोगों को स्तब्ध और बेहद भावुक कर दिया है। हम बात ऑस्ट्रियाई ब्यूटी इन्फ्लुएंसर स्टेफ़नी पाइपर के दुखद अंत की कर रहे हैं। जिनके अचानक गायब होने से डर, भ्रम और अनगिनत सवाल पैदा हो गए थे। उन्होंने अपनी सीढ़ियों के पास एक काली आकृति देखने का ज़िक्र किया था।

उस संदेश के बाद, वह बिना किसी निशान के पूरी तरह से गायब हो गईं। उनके इर्द–गिर्द की पूरी खोज और तेज़ होती जा रही थी, और हर नया सुराग किसी अनहोनी की आशंका को बढ़ा रहा था। पुलिस हर सुराग की तलाश में और गहराई से छानबीन करती रही। पूछताछ के दौरान, मामला अचानक एक भयावह मोड़ पर पहुँच गया। जाँचकर्ताओं को शहर से दूर एक शांत, सुनसान जंगल में पत्तों और टहनियों के नीचे छिपा एक सूटकेस मिला। जब उन्होंने उसे खोला, तो वह सच सामने आया जिससे सभी को सबसे ज़्यादा डर था। वह स्टेफ़नी थी। उस पल ने सब कुछ बदल दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उसके पूर्व प्रेमी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है, और पुलिस अब इस बात की जाँच कर रही है कि असल में क्या हुआ था, उसे छिपाने की कोशिश क्यों हुई। स्थानीय रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि उसने अपने दोस्तों को व्हाट्सएप पर संदेश भेजा कि वह घर पहुँच गई है, जिसके बाद एक और संदेश आया जिसमें उसने बताया कि कोई उसका पीछा कर रहा था और उसके घर की सीढ़ियों पर था। स्थानीय मीडिया का हवाला देते हुए, पीपल मैगज़ीन ने बताया कि उसके पड़ोसियों ने बताया कि उन्होंने बहस की आवाज़ सुनी और कथित तौर पर पाइपर के पूर्व प्रेमी को इमारत में देखा। स्टेफ़नी के लापता होने की सूचना मिलने के एक हफ़्ते बाद, उसके 31 वर्षीय पूर्व प्रेमी ने अपना अपराध कबूल कर लिया। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, ऑस्ट्रियाई सीमा के पास एक कसीनो में उसकी कार में आग लगने के बाद उस व्यक्ति को पकड़ लिया गया। गिरफ्तारी के बाद, उसने कथित तौर पर पुलिस के सामने अपना अपराध कबूल कर लिया और उन्हें अपराध स्थल तक ले गया।

चक्रवात 'दित्वा' के कारण 200 से अधिक लोगों की मौत, भारत की मदद से बचाव अभियान जारी

श्रीलंका ने चक्रवात 'दित्वा' के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से हुई तबाही और 200 से अधिक लोगों की मौत के बाद रविवार को भारत की सहायता से राहत और बचाव कार्य जारी रखा। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) की ओर से रविवार शाम चार बजे जारी किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार, बृहस्पतिवार से अब तक 212 लोगों की मौत हो चुकी है और 218 लोग लापता हैं। डीएमसी ने बताया कि 9,98,918 लोग प्रभावित हुए हैं। इस बीच, भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और भारतीय वायुसेना के कर्मी लोगों की जान बचाने में श्रीलंकाई अधिकारियों की सहायता के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया पर लिखा,"एनडीआरएफ के कर्मी श्रीलंका में स्थानीय अधिकारियों के साथ करीबी समन्वय के तहत राहत अभियान जारी रखे हुए हैं।" भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु के तहत एनडीआरएफ के 80 कर्मियों के दो तलाश एवं बचाव दलों को श्रीलंका भेजा है। भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों ने एक साहसिक अभियान के तहत भारतीयों समेत फंसे हुए यात्रियों को एक प्रतिबंधित क्षेत्र से बाहर निकाला। वायुसेना ने कहा कि इस अभियान के दौरान तीन गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए हेलीकॉप्टर के जरिये अस्पताल भेजा गया। इसके अलावा वायुसेना की टीम ने श्रीलंकाई सेना के "पांच टीमों (40 सैनिकों)" को भी दियाथलावा सैन्य शिविर से कोटमाले क्षेत्र में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों के लिए हेलीकॉप्टर से पहुंचाया।

अमेरिका और यूक्रेन के वार्ताकारों की बैठक, युद्ध समाप्त करने के लिए मध्यस्थता की कोशिश कर रहे डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों ने रविवार को फ्लोरिडा में यूक्रेन के वार्ताकारों से मुलाकात की और रूस के साथ जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए मध्यस्थता पर जोर दिया। अमेरिकी अधिकारियों और यूक्रेनी वार्ताकारों के बीच हुई बैठक ने इस हफ्ते मॉस्को में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ होने वाली महत्वपूर्ण वार्ता के लिए मंच तैयार किया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड

कुशनर ने प्रस्तावित शांति प्रस्ताव के विवरण पर विस्तार से चर्चा करने के लिए यूक्रेन के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत की। यूक्रेन के लिए यह वार्ता ऐसे संवेदनशील समय में हो रही है, जब उस पर 2022 में शुरू हुए युद्ध से पीछे हटने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा है और साथ ही देश घरेलू स्तर पर भ्रष्टाचार तथा घोटालों से भी जूझ रहा है। राजनयिकों का ध्यान वाशिंगटन और मॉस्को के बीच वार्ता में प्रस्तावित 28–सूत्रीय योजना में संशोधन पर केंद्रित रहा। इस प्रस्ताव की आलोचना की जा रही है, क्योंकि इसमें रूस की मांगों पर अत्यधिक जोर दिया गया है। रविवार को बैठक शुरू होते ही रुबियो ने यूक्रेन को आश्वस्त करने पर ध्यान केंद्रित किया। रुबियो ने संक्षिप्त टिप्पणी में कहा, "स्पष्ट रूप से, अंतिम लक्ष्य केवल युद्ध का अंत नहीं, बल्कि इसका उद्देश्य युद्ध का अंत सुनिश्चित करने के साथ–साथ यूक्रेन को संप्रभुता, स्वतंत्रता और वास्तविक समृद्धि का अवसर दिलाना है।" यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने 'एक्स' पर कहा कि यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल ''युद्ध को समाप्त करने के लिए आवश्यक ठोस कदमों पर तेजी से काम करेगा।'' जेलेंस्की ने शनिवार को अपने रात्रिकालीन संबोधन में कहा था कि अमेरिकी पक्ष ''एक रचनात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत कर रहा है।'' उन्होंने कहा था, "आने वाले दिनों में युद्ध को सम्मानजनक अंजाम तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कदमों पर विस्तार से विचार करना संभव है।

बम विस्फोटों से फिर दहला पाकिस्तान, फ्रंटियर कॉर्प्स हेडक्वार्टर पर हुआ आत्मघाती हमला

बलूचिस्तान पोस्ट (टीबीपी) के अनुसार, सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि बलूचिस्तान के चगाई जिले में पाकिस्तानी सेना के एक शिविर पर एक महत्वपूर्ण हमला हुआ, जब एक आत्मघाती हमलावर ने नोकुंडी में फ्रंटियर कोर मुख्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार पर विस्फोटकों में विस्फोट कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती विस्फोट के बाद भी शिविर के भीतर गोलीबारी जारी थी। उन्होंने हताहतों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।